कोटद्वार, सोमवार
15 जुलाई 2024
वर्षः 46
अंकः 81 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

दुकान के बाथरूम में पड़ा मिला दुकानदार का शव

हल्द्वानी। आरटीओ कार्यालय के सामने किराना दुकान चलाने वाले रानीखेत क्षेत्र में सचगोड़ी के मूल निवासी बुजुर्ग दुकानदार का शव उनकी दुकान के बाथरूम के बाहर शनिवार की रात करीब नौ बजे पड़ा मिला। पुलिस ने शव को मोर्चरी भिजवाया। रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस के मुताबिक, रानीखेत थाना क्षेत्र के सचगोड़ी के मूल निवासी 62 वर्षीय शंकर सिंह बिष्ट कई साल से परिवार के साथ हल्द्वानी में रह रहे थे। घर के पास ही उनकी दुकान थी। जानकारी के मुताबिक, शनिवार दोपहर अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। उन्होंने किसी निजी डॉक्टर से दवा ले ली और राहत मिलने पर फिर दुकान पर बैठ गए। रात को रोजाना की तरह जब वह दुकान से घर नहीं लौटे तो परिजन रात करीब नौ बजे दुकान में पहुंचे। वहां दुकान के बाथरूम के बाहर बुजुर्ग का शव पड़ा था। सूचना पर मुखानी पुलिस पहुंची और डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल में दुकानदार की मौत की पुष्टि के बाद शव को मोर्चरी में रखवा दिया। एसओ मुखानी पंकज जोशी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

दिल्ली में बनने वाले केदारनाथ मंदिर से सरकार का कोई सम्बन्ध नहीं

देहरादून। दिल्ली में बनने वाले केदारनाथ मंदिर को लेकर हो रहे विवाद पर श्री केदारनाथ धाम ट्रस्ट दिल्ली की ओर से सफाई दी गई। ट्रस्ट अध्यक्ष सुरेंद्र रौतेला ने कहा दिल्ली में बनने वाले केदारनाथ मंदिर से उत्तराखंड सरकार का कोई सम्बन्ध नहीं है। मंदिर को लेकर किए जाने वाले विरोध को उन्होंने सिर्फ एक राजनीतिक स्टंट करार दिया। रौतेला ने कहा कि दिल्ली में जो मंदिर बनने जा रहा है, वह मंदिर बन रहा है न कि धाम बन रहा है। श्री केदारनाथ धाम ट्रस्ट दिल्ली इसका निर्माण कर रहा है। उत्तराखंड सरकार का इससे कोई लेना देना नहीं है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री सिर्फ ट्रस्ट के अनुरोध पर भूमि पूजन को यहां आए थे। ट्रस्ट का भी सरकार से कोई लेना देना नहीं है। यह ट्रस्ट के सदस्यों के सहयोग से काम कर रहा है। कहा कि केदारनाथ मंदिर इससे पहले भी इंदौर से लेकर देश में कई अन्य स्थानों पर भी बन चुका है। इससे पहले मुंबई में बदरीनाथ धाम का मंदिर भी बना हुआ है। वैष्णों देवी मंदिर से लेकर खाटू श्याम मंदिर तक भी देश भर में कई स्थानों पर बने हुए हैं। उत्तराखंड में भी कई स्थानों पर गोल्ज्यू मंदिर बने हुए हैं। इससे इन मंदिरों के मूल असल धामों की मान्यता और उसका महत्व कम नहीं हो जाता। न ही कभी कम हो सकता है। कहा कि कुछ नेता सिर्फ अपने राजनीतिक लाभ के लिए बेवजह का विवाद पैदा कर रहे हैं।

चिटफंड कंपनी जुड़े लोगों ने ग्राहकों के ढाई करोड़ हड़पे

देहरादून। चिटफंड कंपनी की तरह रकम जमा करने पर उसे बढ़ाकर देने का दावा करनी वाले कंपनी के निदेश-क ने आठ लोगों पर धोखाधड़ी करने का केस दर्ज कराया है। आठों आरोपी कंपनी की अलग–अलग शाखाओं में निदेशक और अन्य पदों पर रहे हैं। आरोप है कि इन्होंने फर्जीवाड़े से ग्राहकों के ढाई करोड़ रुपये लेकर उनका भुगतान नहीं किया।

एसओ वसंत विहार महादेव उनियाल ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर कैलाशी विजन प्रोड्यूसर कंपनी के निदेशक नसीबुद्दीन निवासी जमनपुर, सेलाकुई की तरफ केस दर्ज कि गया है। जिसमें फुरकान पुत्र शरीफ निवासी शंकरपुर, थाना सहसपुर, देहरादून, राकेश कुमार उनियाल पुत्र रामचंद्र निवासी गुज्जर प्लांट, गुमानीवाला, ऋषिकेश, नरेश चंद कुकरेती पुत्र ललित मोहन कुकरेती निवासी प्रतीतनगर, रायवाला, शाहनवाज अहमद पुत्र अल्ताफ अहमद निवासी मोटाआम बांस मंडी नजीबाबाद जिला बिजनौर, उदयराज सिंह पुत्र शंकर सिंह निवासी अकबरपुर चौगांव थाना नजीबाबाद, जिला बिजनौर, पूनम चौहान पत्नी विजेंद्र चौहान निवासी ऋषिकेश, अरुण पाल पुत्र लक्ष्मण सिंह पाल निवासी इस्सेपुर थाना नजीबाबाद और धीरेंद्र कुमार पुत्र गोपीराम निवासी ग्राम इस्सेपुर थाना नजीबाबाद जिला बिजनौर, यूपी को आरोपी बनाया गया है।

मेरे मित्र, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले से मैं चिंतित : पीएम मोदी

नई दिल्ली ,। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने एक्स पर उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, मेरे मित्र, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले से मैं बहुत चिंतित हूँ। इस घटना की कड़ी निंदा करता हूँ। राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। इसके साथ ही पीएम ने हमले में मारे गए या घायल हुए लोगों के प्रति संवेदनाएं भी व्यक्त की। उन्होंने आगे लिखा, हमारी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ मृतकों के परिवार, घायलों और अमेरिकी लोगों के साथ हैं।

बता दें, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक चुनावी रैली में गोली मारी गई। अगले ही दिन रिपब्लिकन पार्टी औपचारिक रूप से उन्हें व्हाइट हाउस के लिए अपना उम्मीदवार घोषित करने वाली थी। उससे ठीक एक दिन

पहले उन पर हत्या का प्रयास किया गया।

गोली लगने के बाद ट्रंप ने अपने चेहरे के दाहिने हिस्से को टच किया और फिर जमीन पर गिर पड़े। सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने उन्हें बचाने के लिए खुद को उन पर झोंक दिया। जब वे उठे, तो एजेंट उन्हें अंदर ले गए। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल पोस्ट में कहा, मुझे एक गोली लगी जो मेरे दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में लगी। मुझे तुरंत पता चल गया कि कुछ गड़बड़ है। मैंने एक तेज़ आवाज़ सुनी, और फिर गोली चली। मैंने तुरंत महसूस किया कि गोली मेरी स्किन को चीरती हुई निकल रही है। बहुत ज़्यादा खून बह रहा था, फिर मुझे एहसास हुआ कि क्या हो रहा है। सीक्रेट सर्विस ने एक बयान में कहाः 13 जुलाई की शाम को लगभग 6:15 बजे, पेंसिलवेनिया के बटलर में पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप की रैली के दौरान एक संदिग्ध शूटर ने रैली स्थल के बाहर एक ऊंचे स्थान से मंच की ओर कई गोलियां चलाईं। यूएस सीक्रेट सर्विस के कर्मियों ने शूटर को मार गिराया, जो अब मर चुका है। यूएस सीक्रेट सर्विस ने तुरंत सुरक्षा के उपाय किए और पूर्व राष्ट्रपति सुरक्षित हैं और उनकी जांच की जा रही है। एक व्यक्ति की मौत हो गई, और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की अभी जांच चल रही है और सीक्रेट सर्विस ने औपचारिक रूप से संघीय जांच ब्यूरो को सूचित कर दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमले की मैं कड़ी निंदा करता हूं : राहुल गांधी

नई दिल्ली ,लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी डोनाल्ड ट्रंप पर हुए जानलेवा हमले की कड़ी निंदा की है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, मैं पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए जानलेवा हमले से बहुत चिंतित हूँ। ऐसे कृत्यों की कड़ी निंदा की जानी चाहिए। उनके शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। नेता प्रतिपक्ष से पहले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने मित्र ट्रंप की सेहत को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा, मेरे मित्र, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर हुए हमले से मैं बहुत चिंतित हूँ। इस घटना की कड़ी निंदा करता हूँ। राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। हमारी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ मृतकों के परिवार, घायलों और अमेरिकी लोगों के साथ हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी देश के नाम अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने ट्रंप के चिकित्सकों से बात की है और वो ठीक ठाक हैं।

बदरीनाथ में नये रावल ने दायित्व संभाला

चमोली। बदरीनाथ मंदिर के नये प्रभारी रावल का दायित्व अमरनाथ नंबूदरी ने रविवार को संभाल लिया है। सेवानिवृत्त रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी को मंदिर समिति ने सम्मान और आदर भाव समारोह में विदाई दी।

रविवार सुबह 8.30 बजे प्रभारी रावल ने पंच पंचतीर्थ स्नान किया। बदरीनाथ मंदिर के निकट पंच शिलाओं के दर्शन किए। अब तक बदरीनाथ के रावल रहे ईश्वर प्रसाद नंबूदरी ने अपने कार्यकाल की अंतिम पूजा के अंतर्गत रविवार को प्रातःकाल को संपादित होने वाली अभिषेक पूजा संपन्न की। उसके बाद सुबह साढ़े सात बजे बाद अंतिम बालभोग लगाया। उन्होंने नये प्रभारी रावल अमरनाथ नंबूदरी को आशीर्वाद मंत्र तथा स्वर्ण छड़ी (शिंगौल) सौंपी। इसके बाद पहली बार प्रभारी रावल ने श्री बदरीनाथ मंदिर गर्भ गृह में पूजा–अर्चना हेतु प्रवेश किया। रावल अमरनाथ नम्बूदरी ने भगवान बदरी विशाल की पूजा की। सोमवार से वह सुबह से शाम को होने वाली पूजाओं का संपादन करेंगे।

अमरनाथ यात्रा : 15 दिन में करीब तीन लाख श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए

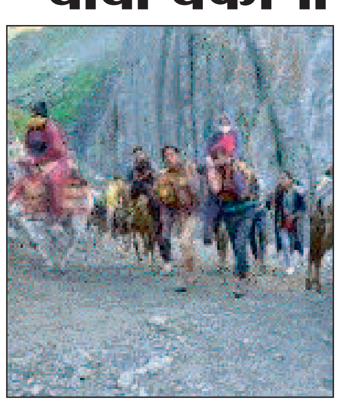

जम्मू , 29 जून को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के बाद से पिछले 15 दिनों में करीब तीन लाख श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। रविवार को 4,889 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने कहा कि पिछले 15 दिनों के दौरान लगभग तीन लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए हैं। 4,889 यात्री आज सुबह दो सुरक्षा काफिलों में भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुए। पहला सुरक्षा काफिला 78 वाहनों में 1,896 तीर्थयात्रियों को लेकर सुबह 3:05 बजे उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। दूसरा सुरक्षा काफिला 105 वाहनों में 2,993 तीर्थयात्रियों को लेकर सुबह 3:55 बजे दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। यह पवित्र गुफा कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। भक्त या तो पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से या फिर उत्तर कश्मीर बालटाल मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं। श्रद्धालु या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग से यात्रा करते हैं या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार से पांच दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर ह्यदर्शनह्व करने के बाद उसी दिन आधार शिविर लौट आते हैं। इस वर्ष की यात्रा 52 दिनों के बाद 29 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन त्योहार के साथ संपन्न होगी।

उफान पर कामवारी नदी, स्कूल बस डूबी

ठाणे ,भिवंडी में भारी बारिश से कामवारी नदी उफान पर है। नदी किनारे रहने वाले लोगों के घरों में पानी घुस गया है। एक तस्वीर सामने आई है जिसमें पानी की चपेट में आने से एक स्कूल बस डूब गई। गनीमत ये रही कि स्कूल बस खाली थी और उसमें कोई बच्चा सवार नहीं था। बस ही नहीं दूसरे कई वाहन सडक़ पर जलमग्न दिखे। दरअसल, महाराष्ट्र के ठाणे, कल्याण, भिवंडी में पिछले दो दिनों से मूसलाधार बारिश हो रही है। भारी बारिश के कारण कल्याण रेलवे स्टेशन के बाहर पानी भर गया है। इसके चलते आने–जाने वाले यात्रियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

लगातार हो रही बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की स्थिति देखने को मिल रही है। कल्याण पश्चिम रेलवे स्टेशन के बाहर पानी की निकासी नहीं होने के कारण दीपक होटल से कल्याण कोर्ट तक घुटने तक पानी भर गया है। लोगों को पानी के बीच से होकर ही गुजरना पड़ रहा है। बता दें कि डोंबिवली एमआईडीसी स्थित पोस्ट ऑफिस के बाहर भी जलभराव की समस्या बनी हुई है।

सीएम धामी ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आये लोगों की शिकायतों और समस्याओं को सुना

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आये लोगों की शिकायतों और समस्याओं को सुना। मुख्यमंत्री ने जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिये अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि जो भी जन समस्याएं आ रही हैं, उनका समयबद्धता से निस्तारण किया जाए।मुख्यमंत्री ने अधिकांश जन समस्याओं और शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया। कुछ जन समस्याओं को संबंधित विभागों को कार्यवाही करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं। जन समस्याओं का यथाशीघ्र समाधान के लिए विभिन्न विभागों को भेजे गये पत्रों पर क्या कार्रवाई हुई, इसकी मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा मॉनिटरिंग की जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन समस्याओं का त्वरित समाधान करना सरकार की प्राथमिकता है। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं कि जनहित के कार्यों को प्राथमिकता में रखा जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष विभिन्न

क्षेत्रों से आये लोगों ने सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, आर्थिक सहायता एवं अपने क्षेत्रों की विभिन्न समस्याओं को रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी की समस्याओं का यथासंभव समाधान किया जायेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को सरकारी कार्यालयों में अनावश्यक रूप से न आना पड़े, सरकार द्वारा अधिकांश सेवाएं ऑनलाईन माध्यम से दी जा रही है। विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को धनराशि डीबीटी के माध्यम से दी जा रही है। उन्होंने प्रदेश की जनता से अपील की है कि अपुणि सरकार पोर्टल के माध्यम से दी जा रही विभिन्न ई–सेवाओं का लाभ उठायें। उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारियों को तहसील दिवस और बीडीसी की नियमित बैठकें करने के निर्देश दिये गये हैं। इसका मुख्य उद्देश्य ब्लॉक, तहसील और जनपद स्तर पर ही जन समस्याओं का समाधान करवाना है।

कांवड़ मेले को लेकर फरमानः शराब और मीट की दुकानें रहेंगी बंद

लालढांग। श्यामपुर पुलिस ने आगामी कांवड़ मेले को लेकर चिड़ियापुर और कांगड़ी के होटल व ढाबा संचालकों, एसपीओ (स्पेशल पुलिस आफिसर्स) के साथ थाने में बैठक कर मेले के दौरान होटल में शराब और मांस सेवन को प्रतिबंधित करने को निर्देशित किया। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की बात कही।

होटल व ढाबा संचालकों के साथ थानाध्यक्ष ने की बैठक

सावन के कांवड़ मेले की शुरुआत 22 जुलाई से हो रही है। इसे लेकर पुलिस भी सजग हो गई है। थानाध्यक्ष श्यामपुर नितेश शर्मा ने चिड़ियापुर और कांगड़ी के होटल व ढाबा संचालकों, एसपीओ के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि मेले को सकुशल संपन्न कराने में सभी को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

कांवड़ यात्रा के दौरान ये चीजें रहेंगी प्रतिबंधित

उन्होंने सबसे अपील करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट में मांस, मछली, अंडा पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। यदि किसी होटल व ढाबा में मांस–मछली बेचने की शिकायत मिली तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी से अपने–अपने होटल व ढाबों के बोर्ड पर अनिवार्य रूप से प्रोपराइटर में अपना नाम अनिवार्य रूप से अंकित करने को कहा।

सही रेट लिस्ट लगाने का भी निर्देश

साथ ही होटल व ढाबों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के साथ ही रेट लिस्ट को अनिवार्य रूप से लगाने को भी कहा। होटलों के बाहर सड़क पर वाहनों को पार्किंग स्थल में ही पार्क करवाएं। किसी भी परिस्थिति में सड़क पर वाहनों को पार्क न करवाएं। उन्होंने सभी एसपीओ से भी ड्यूटी स्थल पर सजगता के साथ ड्यूटी करने को कहा। इस दौरान चंडीघाट चौकी इंचार्ज अशोक रावत, लक्ष्मण कश्यप, अनिल शर्मा, संजय सैनी, आजाद पोखरियाल, सद्दाम, दीपक रावत, केदार सिंह, अर्जुन कश्यप, विजय बडोनी, मुकेश सैनी, मुन्ना ठाकुर आदि मौजूद रहे।

मानसून में सुस्त पड़ी गंगोत्री–यमुनोत्री की यात्रा

उत्तरकाशी। मानसून सीजन की शुरूआत के साथ ही गंगोत्री–यमुनोत्री धाम की यात्रा सुस्त पड़ गई है। काफी कम संख्या में धामों में यात्री दर्शन को पहुंच रहे हैं।

शनिवार को दोनों धाम में महज 2184 यात्री ही पहुंचे। हालांकि अभी तक दोनों धाम में दस लाख से अधिक श्रद्धालु मां गंगा और यमुना के दर्शन कर वापस लौट चुके हैं। इस बार बीती 10 मई को गंगोत्री–यमुनोत्री धाम के कपाट खुले थे। कपाट खुलते ही धामों में यात्रियों का हुजूम उमड़ पड़ा। यही वजह रही है कि यात्रा के एक माह के भीतर ही दोनों धाम में सात लाख से अधिक श्रद्धालु पार हो गए थे। इससे यात्रा कारोबार ने भी अच्छी खासी छलांग लगाई। यात्रा पड़ावों पर यात्रियों के आने से खूब चहल–पहल का माहौल रहा। अब जबकि मानसून सीजन शुरू हो चुका है तो धामों में यात्रियों की संख्या काफी घट गई है।

आपातकाल एक गलती थी और इंदिरा गांधी ने इसे माना था- पी. चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद पी चिदंबरम ने माना कि आपातकाल एक गलती थी और कहा कि इंदिरा गांधी ने खुद गलती स्वीकार भी की थी। पी चिदंबरम का यह बयान आया है, जब हाल ही में केंद्र सरकार ने आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की थी। पी चिदंबरम ने समाचार एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में कहा, 'बीजेपी 18वीं या 17वीं सदी में वापस क्यों नहीं जा रही है? आज रहने वाले 75 प्रतिशत भारतीय 1975 के बाद पैदा हुए हैं। आपातकाल एक गलती थी और इसे इंदिरा गांधी ने स्वीकार किया था। हमने संविधान में संशोधन किया है, ताकि आपातकाल इतनी आसानी से नहीं लगाया जा सके।'

अतीत से सबक सीखा गया हैः चिदंबरम

उन्होंने आगे पूछा कि 50 साल बाद आपातकाल के अधिकारों और गलतियों पर बहस करने का क्या मतलब है, जबकि इस बात पर जोर दिया कि अतीत से सबक सीखा गया है। उन्होंने कहा, '50 साल बाद आपातकाल के सही और गलत पर बहस करने का क्या मतलब है? भाजपा को अतीत को भूल जाना चाहिए। हमने अतीत से सबक सीखा है।' गौरतलब है कि इस माह की शुरुआत में केंद्र सरकार ने आपातकाल की सालगिरह के मौके पर 'संविधान हत्या दिवस' मनाने की घोषणा की थी। इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया हुई और विपक्षी दलों ने सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'पिछले 10 वर्षों में आपकी सरकार ने हर दिन संविधान हत्या दिवस मनाया है। आपने देश के हर गरीब और वंचित वर्ग का आत्म–सम्मान छीन लिया है।'

टीएमसी ने कहा— ध्यान हटाने की कोशिश

केंद्र की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के नेता कुणाल घोष ने कहा कि भाजपा अपनी जनविरोधी नीति से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है।

बदरीनाथ सीट पर भाजपा की हार, प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट बोले-करेंगे समीक्षा

नई दिल्ली , उत्तराखंड में हुए दो विधानसभा सीट पर उपचुनाव के नतीजे सामने आ गए हैं। मंगलौर और बदरीनाथ दोनों ही विधानसभा सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है। ऐसे में अब सवाल यह उठने लगा है कि क्या इन दोनों चुनाव के नतीजे उत्तराखंड में होनेवाली 2027 की विधानसभा चुनाव की तस्वीरें स्पष्ट कर रही हैं। क्या देवभूमि में भाजपा का प्रभाव कम होता जा रहा है?

हालांकि उत्तराखंड विधानसभा उपचुनाव में दो सीटों पर बीजेपी को मिली हार की समीक्षा की बात बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने की है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने तो यहां तक कहा कि पूर्व में वह भी बदरीनाथ सीट पर चुनाव हार चुके हैं। इस सीट पर हुई हार को पार्टी के अध्यक्ष होने के नाते उन्होंने स्वीकार करते हुए कहा कि पार्टी चुनाव में हार के कारणों पर मंथन करेगी। इस सब के बीच भाजपा बदरीनाथ और मंगलौर सीट पर अपनी हार की समीक्षा की बात कर रही है। लेकिन, भाजपा को यह भी देखना होगा की क्या चार धाम यात्रा में इस बार फैली अनियमितता ने बदरीनाथ विधानसभा क्षेत्र के लोगों में गुस्सा भर दिया, जिसका खामियाजा भाजपा को भुगतना पड़ा। जिस तरह यहां बदरीनाथ और केदारनाथ के साथ यमुनोत्री और गंगोत्री की यात्रा की शुरुआत के साथ ही अनियमितता और प्रशासन की लापरवाही देखने को मिली क्या भाजपा के लिए वह इस उपचुनाव में परेशानी का कारण तो नहीं बन गया। ऐसा कहने के पीछे की वजह यह भी है कि यहां के स्थानीय लोगों की जिंदगी को सुचारू रूप से चलाने में इस यात्रा का अहम योगदान है। इस यात्रा की वजह से उन्हें रोजगार मिलता है और यह

रोजगार उनके सालभर के जीवनयापन का साधन होता है। ऐसे में जिस तरह की अनियमितता यात्रा की शुरुआत में ही दिखी उसने यहां के स्थानीय लोगों के व्यापार पर भी असर डाला। भाजपा इस सीट पर जब जीत हार की समीक्षा करेगी तो उसे इस पर भी ध्यान देना होगा। हालांकि ऐसा कहना थोड़ी जल्दबाजी होगी कि देवभूमि में भाजपा का प्रभाव कम होता जा रहा है क्योंकि अभी हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में यहां की 5 में से 5 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। इस सब के बाद विधानसभा उपचुनाव में आए ऐसे नतीजे भाजपा को समीक्षा करने पर मजबूर कर रहे हैं। बदरीनाथ की सीट पर जो जीत कांग्रेस ने दर्ज की है वह ज्यादा अप्रत्याशित है। इस सीट पर कांग्रेस के लखपत बुटोला ने धमाकेदार जीत दर्ज की है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भंडारी को 5 हजार से अधिक वोटों से हराया है। अब बदरीनाथ सीट को लेकर चर्चा क्यों गर्म है इसको जरा गौर से देखिए। यह सीट चमोली जिले में पड़ता है। राज्य गठन के पहले इस बदरीनाथ विधानसभा सीट को बदरी–केदार नाम से जाना जाता था। लेकिन परिसीमन के बाद 2012 में दशोली, जोशीमठ, गोपेश्वर के साथ इसमें पोखरी क्षेत्र को भी जोड़ा गया और इसका नाम बदलकर बदरीनाथ विधानसभा सीट हो गया। उत्तराखंड की गंगोत्री सीट की ही तरह इस सीट को लेकर भी एक मिथक जुड़ा हुआ है कि जिस दल का प्रत्याशी यहां से विधानसभा पहुंचता है प्रदेश में उसी दल की सरकार बनती है। ऐसे में अब कांग्रेसी कार्यकर्ता इस सीट पर जीत को लेकर उत्साहित हैं। इस सीट पर कुल यहां 102128 वोटर हैं। बता दें कि यहां इस सीट पर 2002 और 2012 में कांग्रेस और 2007 और 2017 में भाजपा ने जीत दर्ज की थी। वर्तमान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट इस सीट से 2017 में विधानसभा चुनाव जीत चुके हैं। फिर 2022 में बद्रीनाथ सीट से महेंद्र भट्ट को हार का सामना करना पड़ा था। यह सीट पूर्व मंत्री राजेंद्र भंडारी ने जीती थी। जो लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को छोडक़र भाजपा में आ गए थे। राजेंद्र भंडारी इस उपचुनाव में भाजपा के टिकट पर चुनाव मैदान में थे और उन्हें हार का सामना करना पड़ा। यानी कांग्रेस छोडक़र भाजपा में आए राजेंद्र भंडारी पर पार्टी ने भरोसा तो दिखाया लेकिन वह अपनी करिश्मा दोहराने में नाकामयाब रहे। बदरीनाथ विधानसभा सीट पर अल्पसंख्यक और दलित आबादी बड़ी संख्या में है। ऐसे में इस सीट पर जीत के लिए भाजपा को मशक्कत करनी पड़ती है। इस सीट पर कांग्रेस की जीत के पीछे यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि राहुल गांधी ने जिस जोर–शोर से युवाओं की बेरोजगारी का मुद्दा उठाया वह जनता के रास आया। साथ ही यह भी साफ हो गया है कि बसपा की वोट बैंक में कांग्रेस ने सेंध लगाने का जो प्रयोग यूपी में किया था उसमें वह उत्तराखंड में भी कामयाब हुई। कांग्रेस तो बदरीनाथ सीट पर भाजपा की हार को अयोध्या से भी जोडऩे लगी है। वह कहने लगे हैं कि भगवान बीजेपी से नाराज हैं। अयोध्या हार चुकी भाजपा इस उपचुनाव में बदरीनाथ सीट भी हार गई है और बदरीनारायण भगवान का आशीर्वाद कांग्रेस को मिला।

संपादकीय

अवसरवादिता की हार

उत्तराखंड की दो विधानसभा सीटों पर उपचुनावों ने भारतीय जनता पार्टी को एक बड़ा झटका दिया है। विधानसभा से लेकर लोकसभा चुनाव और उसके बाद हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने विपक्षी दलों का जहां सुपड़ा ही साफ कर दिया था तो वही लोकसभा चुनाव के बाद हुए दो विधानसभा उपचुनावों ने भाजपा के पैरों की जमीन ही खिसका दी। अति आत्मविश्वास से लबरेज भाजपा के नेताओं को उम्मीद नहीं थी की इन दोनों उपचुनाव में, खास तौर से बद्रीनाथ सीट पर बड़ा झटका उठाना होगा। असल में बद्रीनाथ सीट पर पहले कांग्रेस के राजेंद्र भंडारी विधायक थे जिन्होंने लोकसभा से पूर्व भाजपा का दामन थाम लिया था और इस्तीफा दिया था। वहीं हरिद्वार जनपद की मंगलवार सीट पर तत्कालीन बसपा विधायक की मृत्यु होने पर यहां भी उप चुनाव हुए। मंगलोर सीट पर भारतीय जनता पार्टी ने स्थानीय कार्यकर्ताओं को तवज्जो ना देते हुए बाहरी उम्मीदवार को उतारा जो जीत हासिल नहीं कर सका और भाजपा इस सीट को एक बार फिर जीत पाने में विफल साबित हुई। वहीं बद्रीनाथ सीट पर जैसे हालात पैदा हुए उसने उत्तराखंड की राजनीति में एक बड़ा संदेश भी दिया। पूर्व कांग्रेस विधायक जो बाद में भाजपा में शामिल हुए उन्हें पार्टी ने पुनः बद्रीनाथ सीट से अपना उम्मीदवार बनाया लेकिन बद्रीनाथ की जनता ने भाजपा उम्मीदवार राजेंद्र भंडारी को नकार दिया और यह सीट पुनः कांग्रेस की झोली में आ गई। राजेंद्र भंडारी ने त्यागपत्र देने की एक बड़ी कीमत चुकाई और संभवत उन्हें उम्मीद नहीं रही होगी कि भाजपा की लहर के बावजूद बद्रीनाथ जैसी विधानसभा सीट पर बीजेपी चुनाव हार जाएगी। यहां तारीफ करनी होगी कांग्रेस के चुनाव प्रबंधन की जिसने न केवल स्थानीय कार्यकर्ता को चुनाव में उतारा बल्कि दल बदलने वाले नेताओं की प्रवृत्ति को भी जनता के बीच प्रभावशाली तरीके से रखा। क्षेत्र की जनता को भी राजेंद्र भंडारी की अवसरवादी हरकत पसंद नहीं आई और उन्होंने जनमत का अपमान करने वाले राजेंद्र भंडारी को इस बार विधानसभा तक नहीं पहुंचने दिया। यह चुनाव प्रदेश की राजनीति करने वालों के लिए एक बड़ा सबक है कि वह अवसर की आड़ में जनता की फैसले का अपमान ना करें। बड़े नेताओं के चेहरे पर जरूरी नहीं की हर बार चुनाव जीते जाएं और यदि जनता एक बार फैसला लेने पर उतर आए तो फिर बड़े-बड़े चेहरे चुनावों में मात खाते हुए देखे गए हैं। बद्रीनाथ में भाजपा की सारी नीतियां और प्रयास धरे के धरे रह गए, भाजपा का पूरा कुनबा बद्रीनाथ और मंगलोर सीट पर अपने उम्मीदवारों को जिताने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाता रहा लेकिन इस बार जनता ने भाजपा को किनारे कर दिया। आने वाले समय में दल बदलने वाले नेता बद्रीनाथ चुनाव के परिणाम को निश्चित तौर पर ध्यान में रखेंगे, तो वहीं यह समझने की कोशिश भी करेंगे की जरूरी नहीं कि नेताओं की अवसरवादिता का फैसला जनता को भी स्वीकार हो। इन दोनों सीटों पर हार से हालांकि सत्तारूढ़ दल भाजपा को अधिक फर्क पड़ने वाला नहीं है लेकिन हार राज्य से लेकर केंद्र तक अपना असर छोड़ती है तो कहीं ना कहीं इसका एक नकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है। इस हार को पचाने में अभी भाजपा को लंबा समय लग सकता है।

75 साल बाद भी नाटो के सामने वही शत्रु

कीव का ओखमाद्यित अस्पताल काफी समय से यूक्रेन के सबसे जटिल बीमारियों से जूझते और गंभीर रूप से बीमार बच्चों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहा है। युद्ध के शुरू होने से लेकर अब तक उसके डॉक्टरों ने रूसी बमबारी में घायल होने वाले बच्चों की जान बचाने का चुनौतीपूर्ण कार्य किया है और साथ ही पहले से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों की देखभाल भी की है। सोमवार को यह जीवनरक्षक केंद्र तहस नहस कर दिया गया, जमींदोज कर दिया गया। यह बहुत ही बर्बर हमला था। अस्पताल को तब निशाना बनाया गया जब वहां सबसे ज्यादा भीड़भाड़ थी। 'गार्जियन' में छपी खबर के अनुसार, हमले के समय एक ऑपरेशन थिएटर में डॉक्टर एक बच्चे का ऑपरेशन कर रहे थे। उस थिएटर का नामोनिशान नहीं बचा है। अस्पताल के अंदर की तस्वीरों में खून से सने बच्चे, गिरी हुई छतें और बरबाद हो चुके ऑपरेशन थिएटर नजर आ रहे हैं। कितने लोग मलबे में दबे हुए हैं, यह अभी साफ नहीं है।

श्रुति व्यास

रूस ने बर्बरता की सारी हदें पार कर दीं। जिस समय व्लादिमीर पुतिन, प्रधानमंत्री मोदी से गलबहियां कर रहे थे और दोनों नेता कूटनीतिक ठहाके लगा रहे थे, उसी समय बहुत सारी मिसाइलें यूक्रेन के बच्चों के सबसे बड़े अस्पताल से टकराईं। ओखमाद्यित यूक्रेन का बच्चों का सबसे बड़ा अस्पताल है और कैंसर के इलाज के लिए विख्यात है। वहां बहुत से बच्चे कई महीनों से रह रहे थे। हमले में यह अस्पताल मलबे के ढेर में तब्दील हो गया और 36 लोग मौत के मुंह में समा गए।

कीव का ओखमाद्यित अस्पताल काफी समय से यूक्रेन के सबसे जटिल बीमारियों से जूझते और गंभीर रूप से बीमार बच्चों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहा है। युद्ध के शुरू होने से लेकर अब तक उसके डॉक्टरों ने रूसी बमबारी में घायल होने वाले बच्चों की जान बचाने का चुनौतीपूर्ण कार्य किया है और साथ ही पहले से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों की देखभाल भी की है।

सोमवार को यह जीवनरक्षक केंद्र तहस नहस कर दिया गया, जमींदोज कर दिया गया। यह बहुत ही बर्बर हमला था। अस्पताल को तब निशाना बनाया गया जब वहां सबसे ज्यादा भीड़भाड़ थी। 'गार्जियन' में छपी खबर के अनुसार, हमले के समय एक ऑपरेशन थिएटर में डॉक्टर एक बच्चे का ऑपरेशन कर रहे थे। उस थिएटर का नामोनिशान नहीं बचा है। अस्पताल के अंदर की तस्वीरों में खून से सने बच्चे, गिरी हुई छतें और बरबाद हो चुके ऑपरेशन थिएटर नजर आ रहे हैं। कितने लोग मलबे में दबे हुए हैं, यह अभी साफ नहीं है।

फरवरी 2022 में शुरू हुए आक्रमण के बाद से यह यूक्रेन की राजधानी पर किए गए सबसे भयावह हमलों में से एक था।

इस हमले ने दुनिया को हिलाकर रख दिया है। चारों ओर इसकी निंदा की जा रही है और आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है। वोल्दोमीर जेलेंस्की ने बदला लेने की कसम खाई है।

नाटो के सामने यह पहली चुनौती है, जिस पर तुरंत ध्यान देकर कार्यवाही करने की आवश्यकता है। रूस के मिसाइल हमले से यह भी साफ हो गया है कि यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली कितनी कमजोर है।

इस सप्ताह नाटो के नेता संगठन की 75वीं वर्षगांठ एवं उसके वार्षिक सम्मेलन के लिए वाशिंगटन में एकत्रित होंगे। वे जेन्स स्टोल्टेनबर्ग को विदाई देंगे और यूके के नए प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर का स्वागत करेंगे। वे दुबारा वही लड़ाई लडने का संकल्प करेंगे, जिसे लडने के लिए 1949 में इस संगठन का गठन किया गया था– यानी यूरोप में तत्कालीन सोवियत संघ के विस्तारवादी इरादों को थामने की कोशिश। आज 75 साल बाद भी नाटो के सामने वही शत्रु है, वही रूस है और उसकी वही दुष्टता है।

हालांकि शत्रु वही है, लेकिन नाटो पहले जैसा नहीं है। 75वीं वर्षगांठ मनाने का उद्देश्य दुनिया, रूस, पुतिन और अन्य संभावित प्रतिद्वंद्वियों को यह अहसास दिलाना था कि यह आत्मविश्वास से भरा, एकताबद्ध गठबंधन है। लेकिन वाशिंगटन में एकत्रित हो रहे नेता अनिश्चितता और दुविधा से घिरे होंगे। 'आखिर कब तक' यह सवाल उनके दिलोदिमाग पर छाया होगा। आंशिक रूप से यह बाहरी खतरों की वजह से होगा लेकिन मुख्यतः यह आंतरिक कारणों से होगा। इनमें सबसे प्रमुख कारण होगा पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप की वापसी की संभावना।

ट्रंप की नजरों में नाटो 'जर्जर' हो गया है और वे गठबंधन को छोडने की धमकी दे चुके हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने कहा कि वे "रूस को मनमानी करने देंगे"। डिबेट के बाद हुई रायशुमारियों में ट्रंप के जो बाइडेन से आगे निकल जाने के बाद से गठबंधन के महत्वपूर्ण यूरोपीय सदस्यों में इस बात पर विचार विमर्श प्रारंभ हो गया है कि गठबंधन के लिए ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के मायने क्या होंगे– और क्या वे अमेरिकी हथियारों, धन एवं गुप्तचर सूचनाओं के बिना रूस का मुकाबला कर पाएंगे।

नाटो इन 75 सालों में बहुत बदल गया है। 1949 के 12 के मुकाबले आज, जब महाशक्तियों का टकराव दुबारा प्रारंभ हो गया है, उसके 32 सदस्य हैं। पिछले साल विल्न्यूस में हुए सम्मेलन में नाटो ने शीत युद्ध के बाद पहली बार गठबंधन के देशों की भूमि की रक्षा की विस्तृत योजना को स्वीकृति दी थी। इस वर्ष गठबंधन के 23 राष्ट्र अपनी अपनी जीडीपी का दो प्रतिशत प्रतिरक्षा पर खर्च करने के लक्ष्य तक पहुंच जाएंगे या उससे भी अधिक व्यय करेंगे। इसकी तुलना में सन् 2014 में केवल तीन देश ऐसा कर रहे थे और उसी कारण यह निर्णय किया गया था।

लेकिन पश्चिमी देशों में लोकलुभावन राष्ट्रवाद के जोर पकडने के बाद से नाटो पर खतरा मंडराने लगा है। वह पहले से ही तुर्किये के रेचेप तैय्यप अदीआन और हंगरी के विक्टर ओरबान जैसे नेताओं से जूझ रहा है, जो फिनलैंड और स्वीडन के गठबंधन में शामिल होने की राह में रोड़े अटका रहे हैं। ऐसे में ट्रंप के दुबारा सत्ता में आने की संभावनाएं बहुत चिंताजनक हैं। हालांकि जो बाइडेन ने जार्ज स्टेपोनोपोलिस को एबीसी के लिए दिए गए एक इंटरव्यू में पिछले सप्ताह कहा कि वे नाटो द्वारा सवाल उठाए जाने का स्वागत करेंगे और फिर जोड़ा "मेरी तरह नाटो को एक भला और कौन रख पाएगा"। उन्होंने कहा, "मेरी राय है कि मुझे परखने का एक अच्छा तरीका है कि आप नाटो शिखर बैठक में आएं और देखें और सुनें कि गठबंधन के दूसरे देश (मेरे बारे में) क्या सोचते हैं"।

सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचने वाले नेताओं ने स्वीकार किया कि नाटो एक ऐसी कसौटी पर कसा जा रहा है जिसका पूर्वानुमान उन्होंने नहीं लगाया थाः क्या ऐसे समय में वे यूक्रेन की सहायता उसी पैमाने पर करना जारी रख पाएंगे, जब गठबंधन के सबसे महत्वपूर्ण सदस्य पर उनका विश्वास निम्तम स्तर पर है? जब नाटो की 75वीं वर्षगांठ मनाई जा रही होगी तब ओखमाद्यित अस्पताल पर हुए हमले में मरने वाले बच्चों की संख्या बढ़ रही होगी। नाटो के नेताओं को लोक लुभावन वायदों, राष्ट्रवाद और ट्रंप की वापसी की संभावनाओं आदि जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा– एक ऐसे दौर में आत्मविश्वास दर्शाना पड़ेगा जब टकरावों और युद्धों की वजह से हालात बहुत बुरे हैं। नाटो ने अगर अपने को नहीं सुधारा, तो 75वीं वर्षगांठ का जश्न उसका आखिरी जश्न भी हो सकता है।

पश्चिमी शास्त्रीय संगीत का सितारा विजय उपाध्याय

शिवकांत

संगीत का तीर्थ मानी जाने वाली ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में भारत के राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को यूरोपीय सिंफनी शैली के संगीत में सजा कर प्रस्तुत करने वाले विजय उपाध्याय का जन्म ठुमरी और कथक की नगरी लखनऊमें हुआ था। और संगीत के संस्कार उन्हें अपनी मां उषा चटर्जी से मिले। मां उषा चटर्जी ने ही उन्हें पियानो बजाना सिखाया। संगीत संचालन का शौक भी उन्हें बचपन से ही था, इसलिए उन्होंने तबला और कथक भी सीखा। इन्हें सीखकर उन्होंने महज 14 वर्ष की उम्र से ही स्कूल की गान–मंडली का संचालन शुरू कर दिया था। पंद्रह वर्ष की उम्र में विजय उपाध्याय को गहरा आघात लगा। उनकी मां चल बसीं और उनके पिता जी इलाहाबाद चले गये। वे भी लखनऊसे कहीं दूर निकल जाना चाहते थे, इसलिए स्नातक बनते ही ऑस्ट्रिया से मिली संगीत छात्रवृत्ति पर पश्चिमी शास्त्रीय संगीत सीखने ग्राज की संगीत एवं मंच कला यूनिवर्सिटी में आ गये। यहां रहकर संगीत और उसका संचालन सीखने लगे, इसके साथ–साथ उन्होंने ऑस्ट्रिया की लोकभाषा और संस्कृति को भी आत्मसात किया।पढ़ाई पूरी करते ही उन्होंने गिरजाघरों की गान–मंडलियों और एक ब्रास बैंड में काम करना शुरू कर दिया तथा वियना आ गये, जहां वे आजकल विश्व प्रसिद्ध वियना यूनिवर्सिटी फिलामोनिक ऑर्केस्ट्रा के निदेशक हैं। नौ सौ वादकों और गायकों वाला यह ऑर्केस्ट्रा विश्वभर में पश्चिम के मूर्धन्य संगीतकारों की और अपनी मौलिक संगीत रचनाओं की प्रस्तुतियां देता रहता है।

विजय उपाध्याय की रुचि भारतीय संगीत और नृत्य की बुनियाद एवं पश्चिमी शास्त्रीय संगीत की शिक्षा के साथ–साथ दुनियाभर की संगीत विधाओं, वाद्यों, लोक संस्कृतियों और भाषाओं में भी रही है। यही बात उन्हें एक अनूठा प्रयोगधर्मी और रचनाशील कलाकार बनाती है। सुप्रसिद्ध चीनी ओपेरा 'मूलान' के रचयिता 'गुआन शिया' अपने ओपेरा का पहला शो करने 2008 में वियना आये थे। अपने ओपेरा के पूर्वाभ्यास में विजय के योगदान से प्रभावित होकर उन्होंने उन्हें चीनी राष्ट्रीय ऑर्केस्ट्रा और गान–मंडली के संचालन तथा संरचना का न्योता दे दिया।

तब से वे चीनी ऑर्केस्ट्रा के संचालक और रचयिता भी हैं और हर वर्ष तीन महीने बीजिंग में बिताते हैं। इसके दो वर्ष बाद 2010 में उन्होंने भारत के युवा संगीतकारों को तराशने के लिए अपनी बहन सोनिया खान के साथ मिलकर 'भारतीय राष्ट्रीय यूथ ऑर्केस्ट्रा' की स्थापना की और उसके लिए 2014 में 'प्रार्थना ध्वज' नाम की एक सिंफनी की रचना की, जो उनकी पहली संगीत रचना थी। यह सिंफनी भारतीय साहित्य और रागों पर आधारित है जिसमें खुसरो, कबीर और मीरा के गीतों का प्रयोग किया गया है। इसका मंचन भारत समेत दुनिया के कई शहरों में हो चुका है और खासा लोकप्रिय रहा है। विजय उपाध्याय की दूसरी सिंफनी रचना 'चांगअन मेन', यानी 'स्थिर शांति का प्रवेश द्वार' थी जो चीनी इतिहास और संस्कृति के कई युगों की यात्रा कराती है। चीनी भाषा और सुरों की चार ध्वनियों का अनुसरण करते हुए इसमें 'कन्फ्यूशियस, शीजिंग, नानजिंग गीत और लाओजी के दर्शन और गीतों का प्रयोग किया गया है। इस सिंफनी ने उन्हें चीनी संगीत रचना का अनुबंध पाने वाले पहले गैर–चीनी के रूप में स्थापित किया। पिछले वर्ष उनके वियना ऑर्केस्ट्रा ने 'गेनशिन इंपैक्ट' संगीत रचना का मंचन किया जो दसवीं सदी के जापानी बौद्ध भिक्षु, 'गेनशिन' के दर्शन पर आधारित लोकप्रिय कंप्यूटर खेल 'गेनशिन इंपैक्ट' के नायक 'तेवाट' की प्राकृतिक वादियों की सैर के अनुभवों पर आधारित है। दो सौ से अधिक वादकों और गायकों के स्वर संगम वाली इस रचना को संगीत प्रेमियों और युवाओं की भरपूर सराहना मिली। इन दिनों विजय उपाध्याय कनाडा, अमेरिका और तुर्की जैसे कई अन्य देशों के ऑर्केस्ट्राओं का भी संचालन करते हैं। इतना ही नहीं, वे ईरान, इंडोनेशिया, सिंगापुर, ब्राजील और कजाखस्तान में भी संगीत परियोजनाएं चलाते हैं।

चीन पुतिन का समर्थन कुछ शर्तों पर ही करेगा

श्रुति व्यास

क्या दृश्य था.! अस्त होने के ठीक पहले का नर्म सूरज पेड़ों के पीछे से झांक रहा था। उसकी रोशनी दो प्रसन्नचित्त पक्के दोस्तों पर पड़ रही थी जो पांच साल के बाद मिले थे। इस मुलाकात से वे दोनों कितने रोमांचित थे, यह उनके गर्मजोशी से गले मिलने से जाहिर था।

सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन की यात्रा पर मास्को पहुंचे। वे कूटनीतिक उलझनों को कम करने और संबंधों और मजबूत बनाने के लिए बातचीत करने आए थे।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने निवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत किया और रूस आने के लिए अपने 'प्रिय मित्र' मोदी का शुक्रिया अदा किया। जवाब में मोदी ने कहा, "एक दोस्त के घर आना हमेशा बहुत अच्छा अनुभव होता है"।

एक–दूसरे के प्रति दोनों का रवैया बहुत सौहार्दपूर्ण था। यह करीब–करीब उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग–उन की रूस यात्रा जैसा ही था या फिर कुछ हफ्ते पहले पुतिन की उत्तर कोरिया की यात्रा जैसा। तब किम और पुतिन प्योंगयांग की एक सडक़ पर एक महंगी कार में घूमते नजर आए थे, जिसे किम चला रहे थे। लगभग वैसा ही नजारा हमने मॉस्को में देखा जहां मोदी एक नीले रंग की चमचमाती गोल्फ कार्ट में बैठे थे जिसे, पुतिन चला रहे थे। दोनों नेता पुतिन के घोड़ों को देखने जा रहे थे।

जिस समय मॉस्को में प्रेम और सौहार्द का यह प्रदर्शन चल रहा था, उस समय जो बाइडेन वाशिंगटन में नाटो देशों के नेताओं की अगवानी कर रहे थे, जिनकी यात्रा का उद्देश्य था यूक्रेन युद्ध में रूस द्वार ढाए जा रहे जुल्मों के चलते उस पर और सख्त प्रतिबंध लगाने, उसके खिलाफ और कठोर कदम उठाने पर विचार करना। रूस ने उसी दिन अन्य नागरिक ठिकानों के साथ–साथ यूक्रेन के बच्चों के सबसे बड़े अस्पताल पर मिसाइलों से हमला किया, जिसमें बच्चों सहित दर्जनों लोग मारे गए।

मोदी के रूस में हुए गर्मजोशी भरे स्वागत पर कीव से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलदोमिर जेलेंस्की ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, "दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता को खून–खराबे के सबसे बड़े अपराधी के गले लगते देखना अत्यंत निराशाजनक है और शांति के प्रयासों के लिए बहुत बड़ा झटका है"।

प्रधानमंत्री यूक्रेन युद्ध प्रारंभ होने के बाद पहली बार रूस पहुंचे थे। यह तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भी थी। उन्होंने स्वयं उनके द्वारा कायम की गई इस परंपरा को तोड़ दिया कि पद संभालने के बाद वे सबसे पहले पड़ोसी देश की यात्रा करेंगे। उन्होंने रूस को चुना।

उनका इरादा पुतिन द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के खिलाफ कोई सख्त रवैया अपनाने या पुतिन की बर्बरता की कड़े शब्दों में की निंदा करने का नहीं था, बल्कि, दोनों देशों के बीच लंबे समय से जारी रणनीतिक एवं आर्थिक संबंधों पर एक बार फिर मुहर लगानी थी। पहली विदेश यात्रा के लिए रूस को चुनने का एक उद्धेश्य क्रेमलिन की भारत के प्रतिद्वंदी चीन पर निर्भरता कम करने का प्रयास करना भी था।

यह करने के लिए उन्हें पूरब और पश्चिम के बीच एक नाजुक संतुलन कायम करना पड़ेगा। लेकिन इसकी बजाए वे अब तक रूस को काफी नरम अंदाज़ में समझाइश देते आ रहे हैं। उन्होंने 2022 में उज्बेकिस्तान में आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में पुतिन से कहा था कि "आज का समय युद्ध का नहीं है"। पुतिन ने पिछले साल दिल्ली में आयोजित हुए जी–20 सम्मेलन में भाग नहीं लिया, जिसमें दुनिया भर के नेताओं ने यूक्रेन पर रूसी हमले की आलोचना की। वहीं मोदी पिछले सप्ताह कजाखस्तान में हुए शंघाई सहयोग संगठन, एससीओ सम्मेलन में नहीं पहुंचे, जिसमें रूसी राष्ट्रपति ने दावा किया कि मॉस्को एवं बीजिंग के संबंध इससे पहले कभी इतने अच्छे नहीं रहे।

इससे भारत के कान खड़े हो गए। उसे लगा कि मॉस्को–बीजिंग की बढ़ती निकटता से वह अलग–थलग पड़ जाएगा। लद्दाख इलाके में जून 2020 में हुई खूनी झड़पों में 20 भारतीय और कम से कम चार चीनी सैनिक मारे गए थे और इसके कारण दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है।

यह स्थिति दिल्ली को चुभी और चिंतित सरकार ने आनन–फानन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा का कार्यक्रम बनाया। आखिरकार रूस को भारत की जितनी जरूरत है, उससे कहीं ज्यादा जरूरत भारत को रूस की है। प्रतिरक्षा और तेल के लिए अभी भी भारत काफी हद तक रूस पर निर्भर है।

बॉक्स ऑफिस पर कल्कि 2898 एडी की आंधी में भी किल की कमाई जारी

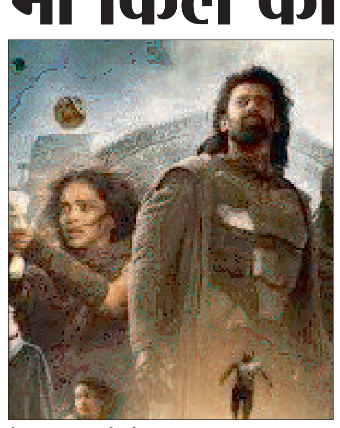

लक्ष्य लालवानी ने फिल्म किल से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में बतौर एक्टर डेब्यू किया है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से सराहना मिली है। 5 जुलाई को फिल्म किल रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से सकरात्मक प्रतिक्रिया मिली। यही वजह है कि कल्कि की आंधी में भी यह सिनेमाघरों में डटी हुई है और टिकट खिडक़ी पर ठीक–ठाक कमाई कर रही है।1 करोड़ 25 लाख रुपये से इसने अपना खाता खोला था और रिलीज के 7वें दिन फिल्म ने 1 करोड़ 15 लाख रुपये की कमाई की। इसी के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर यह 11 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है।

जबकि वर्ल्डवाइड कमाई 20 करोड़ तक जा पहुंची है. हालांकि फिल्म का बजट 10 से 20 करोड़ के बीच बताया जा रहा है, जिसके चलते फिल्म ने केवल 7 दिनों में यह कमाई हासिल कर ली है. जबकि पहले वीकेंड कितना कमाती है इस पर लोगों का ध्यान जरुर जाने वाला है. किल के प्रदर्शन पर कल्कि 2898 एडी का असर देखने को मिल रहा है। कल्कि अब भी कहीं ना कहीं हिंदी दर्शकों के लिए पहली पसंद बनी हुई है। इसके चलते किल की कमाई प्रभावित हो रही है।

धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी किल से लक्ष्य लालवानी ने बॉलीवुड में कदम रखा है, जबकि राघव जुयाल एबीसीडी जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके हैं। हालांकि इस फिल्म में वह विलेन के किरदार में ध्यान खींच रहे हैं।फिल्म में लक्ष्य से कहीं ज्यादा राघव की तारीफ हो रही है। उनकी खलनायकी पर्दे पर छा गई है।इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था, जहां इसने खूब वाहवाही लूटी। किल के निर्माता करण जौहर हैं। उन्होंने गुनीत मोंगा के साथ मिलकर यह फिल्म बनाई है। इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था, जहां इसने खूब वाहवाही लूटी।

प्रभास स्टारर कल्कि 2898 एडी का रिकॉर्ड तोड़ा कलेक्शन

कल्कि 2898 एडी का जलवा बॉक्स ऑफिस पर बरकरार है. फिल्म हर रोज ताबड़तोड़ कलेक्शन कर रही है. 27 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली प्रभास स्टारर इस साई–फाई एक्श फिल्म ने ना सिर्फ भारत में बल्कि दुनिया भर में जमकर कमाई की है.

वहीं अब 15 दिनों में फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ क्लब में एंट्री ले ली है. इसके साथ ही कल्कि 2898 एडी ने दो ब्लॉकबस्टर फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है.

ओटीटी स्ट्रीम अपडेट्स ने कल्कि 2898 एडी का एक पोस्टर शेयर किया है जिसमें प्रभास और फिल्म के 1000 करोड़ में एंट्री होने का पता चल रहा है. वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ क्लब का हिस्सा बनने वाली कल्कि 2898 एडी 7वीं भारतीय फिल्म बन गई है. इससे पहले दंगल, बाहुबली 2, आरआरआर, केजीएफ चैप्टर 2, जवान और पठान इस लिस्ट में शामिल हैं.

विंबलडन महिला युगल जीतने के बाद टाउनसेंड ने कहा, पहला ग्रैंड स्लैम जीतना खास

लंदन, चेक–अमेरिकी जोड़ी कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड ने नंबर 2 सीड गैब्रिएला डाब्रोवस्की और एरिन रूटलिफ को हराकर विंबलडन महिला युगल खिताब जीता।सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने पहले सेट में पिछडने के बाद वापसी की। इस जोड़ी ने दो घंटे चार मिनट में मौजूदा यूएस ओपन चैंपियन जोड़ी को लगातार सेटों में 7–6(5), 7–6(1) से हराकर यादगार जीत हासिल की।यह जोड़ी के रूप में एक साथ तीसरे टूर्नामेंट में उनका पहला खिताब है। यह सिनियाकोवा की तीसरी विंबलडन डबल्स ट्रॉफी और कुल नौवीं मेजर ट्रॉफी है, जबकि टाउनसेंड पहली बार ग्रैंड स्लैम विजेता बनी हैं। इससे पहले वह यूएस ओपन और रोलां–गैरो दोनों में डबल्स फाइनल में उपविजेता रही थीं।टाउनसेंड ने मैच के बाद कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है और करीब 500 मैसेज मुझे मिले हैं। मुझे नहीं पता था कि इतने सारे लोगों के पास मेरा नंबर है।यह मेरा पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। मैं दो बार इसके बेहद करीब पहुंच चुकी हूं। हमने इस मुकाबले में अच्छा खेला। हम पूरी तरह से नियंत्रण में थे। जिस तरह से हमने यह मुकाबला अपने नाम किया, वह अच्छा था।इस परिणाम ने सिनियाकोवा के लिए दो महीने के उल्लेखनीय प्रदर्शन को मुकाम तक पहुंचाया। उन्होंने जून में कोको गॉफ के साथ रोलां गैरो खिताब जीतने के बाद लगातार दूसरा मेजर खिताब जीता है।सिनियाकोवा ने कहा, मैं टेलर से सहमत हूं। मुझे लगता है कि यह वाकई एक कठिन मैच था। हमने कमाल का खेल दिखाया। मुझे लगता है कि हम एकजुट हैं। यही बात टीम को और भी मजबूत बनाती है। इसलिए मुझे खुद पर गर्व है। भले ही यह नवां स्लैम हो, मैं हर बार जीत से खुश होती हूं। हर बार अलग और अच्छा महसूस होता है।वहीं, विंबलडन 2024 के महिला एकल वर्ग के फाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य की स्टार खिलाड़ी 31वीं वरीयता प्राप्त बारबोरा क्रेजीकोवा ने इटली की सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी को 6–2, 2–6, 6–4 से हराकर खिताब जीत लिया।

प्राइम वीडियो पर सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बना मिर्जापुर

मिर्जापुर सीजन 3 पांच जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हुई। वहीं, अली फजल और पंकज त्रिपाठी अभिनीत इस सीरीज ने इतिहास रच दिया है। यह अपने लॉन्च सप्ताहांत में स्ट्रीमिंग सेवा के लिए भारत में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बन गया है। तीसरे सीजन में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी शर्मा, रसिका दुगल, विजय वर्मा, ईशा तलवार, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेनयुली, हर्षिता शेखर गौड़, राजेश तैलंग, शीबा चड्ढा, मेघना मलिक और मनु जैसे कई कलाकार अपनी भूमिकाओं को दोहरा रहे हैं। सीरीज की लोकप्रियता से साबित होता है कि यह दर्शकों को कितनी पसंद आ रही है। इतना ही नहीं इसके चौथे भाग पर भी मुहर लग गया है।मिर्जापुर सीजन 3 अमेजन प्राइम वीडियो का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बन गया है। इंस्टाग्राम पर, स्ट्रीमर के आधिकारिक अकाउंट ने घोषणा की, रिकॉर्ड तोडऩा तो अपना यूएसपी है। मिर्जापुर सीजन 3 आधिकारिक तौर पर लॉन्च सप्ताहांत पर भारत में प्राइम वीडियो पर अब तक का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो है। प्राइम पर इसे अभी देखें।मिर्जापुर के तीसरे सीजन को लॉन्च सप्ताहांत में 180 से अधिक देशों और भारत के 98 प्रतिशत पिन कोड पर दर्शकों ने देखा। क्राइम ड्रामा ने लॉन्च सप्ताहांत में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित दुनिया भर के 85 से अधिक देशों में शीर्ष 10 ट्रेंडिंग सूची में जगह बनाई। तीसरे सीजन ने पिछले सीजन का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। मिर्जापुर सीजन 3 का निर्देशन गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर ने किया है।इसी बीच मिर्जापुर फ्रेंचाइजी के प्रशंसकों को निर्माताओं ने एक और बड़ा तोहफा दिया है। सीजन 3 की सफलता के बाद अमेजन प्राइम वीडियो ने कहा कि शो का सीजन 4 आधिकारिक तौर पर विकास में है।

पाकिस्तान को हराकर भारत बना चैंपियन, युवराज ने यूनुस खान को दिया करारा जवाब

बर्मिंघम, वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के खिताबी मंच पर युवराज सिंह की कप्तानी में रिटायर्ड भारतीय क्रिकेटरों की पलटन ने पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाया है कि अब वो चाहकर भी इसे भूल नहीं पाएगा। इंडिया चैंपियंस ने शनिवार को खेले गए रोमांचक फाइनल में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स का खिताब अपने नाम कर लिया। युवराज सिंह की अगुआई में टीम ने अपना दबदबा बनाए रखा और पाकिस्तान के खिलाफ कमबैक करते हुए ट्रॉफी अपने नाम की।

इस जीत के साथ ही इंडिया चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को उसके एक बयान का करारा जवाब दे दिया। दरअसल, डब्ल्यूसीएल 2024 के ग्रुप स्टेज में हुई भारत–पाकिस्तान भिड़ंत में पाकिस्तान ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी।

सीरीज जीतने के बाद गिल ने आगे के प्लान का खुलासा किया

नई दिल्ली। शुभमन गिल की कप्तानी वाली युवा टीम ने जिम्बाब्वे में तिरंगा लहरा दिया। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के तुरंत बाद खेलने गई इस टीम ने ज्यादातर कढ्ढछ स्टार को मौका दिया गया था। मैन इन इन ब्लू ने रविवार को हरारे में खेले गए आखिरी मुकाबले में 42 रन से जीत दर्ज करने के साथ ही सीरीज 4–1 से अपने नाम की। भारतीय टीम को पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा था, इसके बाद टीम ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और जीत का चौका लगाया। पहली सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे शुभमन गिल जीत के बाद काफी खुश नजर आए और उन्होंने आगे के प्लान के बारे में बताया।

अब श्रीलंका दौरे की तैयारी

जीत के बाद गिल ने कहा, "यह एक बेहतरीन सीरीज थी। पहले मैच में हार के बाद हमारी भूख बढ़ी। बहुत से खिलाड़ियों ने लंबी यात्रा की थी और वह कंडीशन नहीं जानते थे। जिस तरह से उन्होंने अपने आप को परिस्थितियों के हिसाब से ढाला वह उल्लेखनीय था। मैं एशिया कप के लिए एक बार श्रीलंका गया हूं, वहां जाकर प्रदर्शन करने का इंतजार कर रहा हूं।" बता दें कि अब भारतीय टीम श्रीलंका का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 3 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। टी20 सीरीज की शुरुआत 27 जुलाई से होगी।

पहाड़ के सफर से करें परहेज, भारी पड़ रहा 15 किलोमीटर का सफर

वर्षाकाल में कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य आवाजाही करते वाहन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः वर्षा के मौसम में यदि आप कोटद्वार से पहाड़ के सफर का विचार कर रहे हैं तो जरा सावधान हो जाएं। दअरसल, कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग का सफर कब आपकी जिंदगी पर भारी पड़ जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। हल्की बारिश होने पर ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहाड़ी से भारी

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य पहाड़ी से लगातार गिर रहे बोल्डर

बोल्डर गिर रहे हैं। 15 किलोमीटर के इस सफर में कब, कहां, किस पहाड़ी से बोल्डर अथवा मलबा जीवन लील ले, कहा नहीं जा सकता।

कुछ सप्ताह पूर्व मलबे व बोल्डरों की चपेट में आने से दो लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ गई, जबकि चार अन्य घायल हुए थे। यह स्थिति तब थी। जब, मानूसन की पहली ही वर्षा थी। दरअसल, बीते वर्षाकाल में अतिवर्षा के दौरान कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग को काफी नुकसान हुआ। राजमार्ग पर कई जगह भारी बोल्डर-मलबा आ गया था। साथ ही कई जगह पुश्ते भी दरक गए थे। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के धुमाकोट खंड ने सड़क को खुलवा राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही तो सुचारू करवा दी। लेकिन, राजमार्ग की दशा सुधारने की जहमत नहीं उठाई। हालांकि, अब महकमा समय से बजट जारी न होने की बात कह अपना पल्ला झाड़ रहा है। नतीजा, हल्की बारिश होने पर ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी मलबा आ रहा है।

हर कदम पर डेंजर जोन

सरकारी तंत्र सड़कों में डेंजर जोन चिह्नित कर आमजन को खतरे के प्रति आगाह करता है। लेकिन, राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोटद्वार–दुगड्डा के मध्य हर कदम पर डेंजर जोन है। गिवई स्रोत पुल के आगे बढ़ते ही खतरों का सफर शुरू होता है, जो दुगड्डा पहुंच कर खत्म होता है। हर कदम पर डेंजर जोन और हर कदम पर खतरे में जिंदगी। पंद्रह किलोमीटर के इस सफर में तीस से अधिक स्थानों पर डेंजर जोन बने हुए हैं।

सड़क का इंतजार, भारी पड़ रही पांच किलोमीटर की चढ़ाई

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः प्रखंड बीरौंखाल व पोखड़ा की सीमा से सटे छह गांवों के ग्रामीणों ने सड़क सुविधा का लाभ न मिलने पर आक्रोश जताया। कहा कि सड़क की इंतजार में कई साल बीत गए है, लेकिन अभी तक शासन प्रशासन ने ग्रामीणों की सुध नहीं ली है। सड़क न होने के कारण ग्रामीणों को रोजाना पांच किलोमीटर की खड़ी चढ़ाई चढनी पड़ती है। सड़क सुविधा के अभाव में अभी तक दो लोगों की बीमारी के कारण मौत भी हो गई है, जिन्हें सड़क तक लाने में काफी समय लग गया, जिसके कारण उनकी रास्ते में ही मौत हो गई है। सड़क सुविधा होती तो उन्हें समय पर हास्पिटल लाया जा सकता था। वर्ष 2017–18 में शासन की तरफ से पोखड़ा बैजरो मोटर मार्ग से दिवान का बूंग–देवकंडई, भैंस्वडा,पांड, छनाखोली, नौखोली के लिए पांच किलोमीटर की स्वीकृति प्रदान की थी। लेकिन मोटर मार्ग में करीब आधा किलोमीटर का हिस्सा वन क्षेत्र की सीमा से लगा हुआ है। लेकिन अभी तक उक्त मोटर की अड़चनों को दूर नहीं करवाया गया। मोटर मार्ग न बनने से ग्रामीणों को रोजाना पांच किलोमीटर खड़ी चढाई चढ़नी पड़ती है, एसे में बीमार व गर्भवती महिलाओं को सड़क तक लाने में खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सड़क सुविधा के अभाव में बीमारी के चलते दो ग्रामीणों की मौत भी हो गई है। जिन्हें समय पर हास्पिटल नहीं पहुंचाया जा सका। अगर सड़क सुविधा होती तो बीमार लोगों को समय पर हास्पिटल पहुंचाया जा सकता था। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से शीघ्र ही ग्रामीणों को सड़क सुविधा से जोडने के लिए गांव की सड़क बनावाने की मांग की है।

एक नजर

समिति ने किया पौधा रोपण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः सेवा निवृत्त वन अधिकारी कर्मचारी कल्याण समिति की ओर से क्षेत्र में पौधा रोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिक संगठन, गुरू गोरखनाथ पर्यावरण सरंक्षण एवं संवर्धन समिति के सदस्यों ने सामूहिक रूप से पनियाली स्थित नगर वन क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया गया। सभी सदस्यों ने रोपे गए पौधों की समुचित सुरक्षा का भी संकल्प लिया। कहा कि सिर्फ पौधारोपण करने करना ही पर्याप्त नहीं है, रोपे गए पौधों को पेड़ बनने तक सुरक्षित रखना भी जरूरी है। इस मौके पर पीएल खंतवाल, राजेंद्र प्रसाद पंत, प्रवेश नवानी, सुरेश मधवाल, प्रमोद डोबरियाल, सतीश शर्मा, प्रकाश हिंदवाण, रिपुदमन बिष्ट, श्रीकांत नौगांई, वीरेंद्र नेगी मौजूद रहे।

भंडारे के साथ संपन्न हुई श्रीमद्भागवत कथा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः नगर निगम के अंतर्गत लालपुर स्थित एक बारातघर के सभागार में बलूनी बंधुओं की ओर से आयोजित कथा का रविवार को भंडारे के साथ समापन हो गया है। समापन दिवस पर प्रवचन करते हुए आचार्य शिव प्रसाद ममगांई ने कहा कि भागवत ऐसा ग्रंथ है जो भगवान कृष्ण की परम वाणी एवं सुंदरता का सन्देश देता है। कहा कि यदि विवेक और संयम से जगत का भोग किया जाये तो कहीं समस्या नहीं है। पदार्थों में समस्या नहीं है, हमारे उपयोग करने में समस्या है। विवेकपूर्वक भोग करना ही संसार के अनेक रोगों से बच जाना है। कहा कि आत्मज्ञान की प्राप्ति के लिए मानव को श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण अवश्य करना चाहिए। इस अवसर पर प्रदीप बलूनी, अनुपम बलूनी, धर्मानंद बलूनी, राजेश बलूनी, कुलदीप बलूनी और सरिता बलूनी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

सीमांत गांवों से कांग्रेस को मिली बढ़त

चमोली। बदरीनाथ विधानसभा उप चुनाव में जीत में महत्तवपूर्ण भूमिका सीमांत गांवों के मतदाताओं की रही। सीमांत गांवों के अधिकांश बूथों पर कांग्रेस को भाजपा के मुकाबले मतदाताओं ने कांग्रेस के पक्ष में अधिक मतदान किया। भारत के पहले गांव माणा में भाजपा प्रत्याशी राजेन्द्र भंडारी को 44 मत मिले। कांग्रेस से विधायक बने लखपत बुटोला के पक्ष में 184 मत पड़े थे। माणा सहित नीति मलारी घाटी के गांवों के मतदाताओं ने उत्तराखण्ड राज्य बनने के बाद पहली बार अपने मूल गांवों में वोट किया। भाजपा के राजेन्द्र भंडारी को चिपको आन्दोलन की नेत्री गौरा देवी के गांव रैणी में भी कम वोट मिले। भाजपा को रैणी में 62 और कांग्रेस को 195 मत मिले। द्रोणागिरि गांव में भी भाजपा प्रत्याशी को 6 तथा कांग्रेस से विधायक बने बुटोला को 30 वोट मिले। भाजपा को बदरीनाथ विधानसभा क्षेत्र के अन्य सीमांत गांवों में कमोवेश कांग्रेस की तुलना में कम मत मिले। सीमांत गांव गमशाली में भाजपा को 63 और कांग्रेस को 156 मत मिले। नीती गांव में भाजपा को 14 और कांग्रेस को 27 मत मिले।

प्राथमिक स्कूल मठोली का भवन जीर्ण–शीर्ण हालत में

चमोली। सरकार की लापरवाही के कारण कर्णप्रयाग विकासखंड के प्राथमिक स्कूल मठोली का भवन जीर्ण–शीर्ण बना है। स्कूल में वर्तमान में नौ बच्चे अध्ययनरत हैं। स्कूल भवन जर्जर होने के कारण बरसात में छत से सीमेंट गिर रहा है। जिससे बच्चों के चोटिल होने का खतरा बना है। जिसमें समस्या के निदान के लिए चर्चा होगी। ग्रामीणों ने बताया कि करीब दो दशक पहले प्राथमिक स्कूल मठोली का निर्माण किया गया था। रख रखाव ठीक से न होने के कारण वर्तमान में स्कूल भवन जर्जर हो चुका है। अब हालत यह है कि स्कूल की छत काफी जीर्ण शीर्ण हो चुकी है। पढ़ाई के दौरान छत से सीमेंट की पपड़ी गिर रही है। फर्श का सीमेंट भी उखड़ रहा है। कई बार सीएम, डीएम व एसडीएम को स्कूल का मेंटीनेंस करवाने के लिए पत्र दे चके हैं, लेकिन कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं की जा रही है। स्कूल की प्रधानाचार्य नंदा नेगी ने बताया कि विद्यालय प्रबंध समित की बैठक आज सोमवार को होगी। जिसमें समस्या के निदान के लिए चर्चा होगी।

पांच परीक्षा केंद्रों पर पीसीएस परीक्षा शांतिपूर्ण रही संपन्न

नई टिहरी। रविवार को जनपद में पांच परीक्षा केंद्रों पर उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा–2024 की प्रारंभिक परीक्षा प्रथम पाली में सुबह 10 से 12 बजे के बीच हुई। परीक्षा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न करवाई गई।

रोटरी क्लब ने किया पौधरोपण, संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वारः रोटरी क्लब की ओर से पौधा रोण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस दौरान सदस्यों ने आमजन से भी अधिक से अधिक पौधा रोपण करने की अपील की। रोटरी क्लब की ओर से गुरुद्वारे के समीप रेलवे परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे विभिन प्रकार के औषधीय, छायादार व फलदार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रेलवे के स्टेशन मास्टर आशीष बिष्ट ने किया। सर्वप्रथम रोटरी क्लब के सदस्यों ने रेलवे परिसर में उगी गाजर घास के उन्मूलन के लिए अभियान चलाया। तत्पश्चात क्लब के सदस्यों ने जामुन, आंवला, गोल्ड मोहर, बौटल, ब्रुश कैशिया, ग्लूका कचनार सहित विभिन्न प्रकार के औषधीय, छायादार व फलदार पौधों का रोपण किया। सभी सदस्यों ने रोपे गए पौधों के सरंक्षण करने का भी संकल्प लिया। रेलवे स्टेशन मास्टर आशीष बिष्ट ने पर्यावरण को बचाने के लिए पौधारोपण करने का जरूरी बताया। कहा कि पौधारोपण का कार्य सभी लोगों को करना चाहिए। इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष गुरूबचन सिंह, सचिव डीपी सिंह, कोषाध्यक्ष सचिन गोयल, धीरजधर बछुवाण, गोपाल बंसल, अमित अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, विजय माहेश्वरी, डा. एनपी पोखरियाल, दिनेश रस्तोगी, विपिन बक्शी, अनिल भोला, अशोक अग्रवाल मौजूद रहे।

आपदा से बचाव का दिया प्रशिक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः जिले में दैवीय आपदा एवं किसी अप्रिय घटना के घटित होने के दौरान राहत व बचाव कार्य को लेकर पुलिस लाइन में पुलिस जवानों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान जवानों को आपदा यूनिट फायर सर्विस पौड़ी द्वारा नियुक्त पुलिस कार्मिकों को किसी भी प्रकार की आपदा एवं दुर्घटना, अग्नि दुर्घटना घटित होने पर स्ट्रेचर के माध्यम से या स्ट्रेचर उपलब्ध न होने की दशा में अन्य संसाधनों से स्ट्रेचर बनाकर घायलों को बाहर निकालना, प्राथमिक उपचार देना आदि का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही राहत एवं बचाव के दौरान प्रयोग किए जाने वाले उपकरणों की जानकारी दी गई। एसएसपी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि मानसून सीजन को लेकर सभी थानाध्यक्षों को अपने–अपने क्षेत्र के जवानों को राहत और बचाव कार्य का प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए गए हैं। सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस जवानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सरकार के खिलाफ उक्रांद ने चलाया सत्याग्रह आंदोलन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण नहीं होने सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर उत्तराखंड क्रांति दल ने यमकेश्वर विकास खंड के अंतर्गत बीन नदी के तट पर सत्याग्रह आंदोलन चलाया। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सत्याग्रह स्थल पर एक जनसभा का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर आंदोलन का नेतृत्व करते हुए यूकेडी संरक्षक डॉ.शक्तिशैल कपरवाण ने कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल बीन नदी पुल निर्माण, चिल्लरखाल- लालढांग मोटर मार्ग निर्माण, कौडिया-किमसार मोटर मार्ग का डामरीकरण, नीलकंठ-पटना- गरुड़ चट्टी रोड निर्माण, बीन नदी-विंध्यवासिनी मोटर मार्ग निर्माण और गंगा भोगपुर गांव वासियों का राजा जी पार्क के अधिकारियों के उत्पीड़न से सुरक्षा करने , मूलनिवास लागू करने,भूमि कानून

सरकार के खिलाफ सत्याग्रह आंदोलन चलते उक्रांद के सदस्य

बनाने के लिए हेतु कई वर्षों से प्रयास कर रहा है। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।

कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल जनतहितों को लेकर 90 दिन तक प्रधानमंत्री को दस हजार पत्र भेजेगा। सत्याग्रह में भाग लेने वालों और विचार व्यक्त करने वालों में बीपी भट्ट ,हरेंद्र रौथाण, जेपी जोशी, सत्य प्रकाश भारद्वाज ,पुष्कर सिंह रावत, जग दीपक रावत ,मोहन सिंह असवाल ,प्रमोद काला , सतपाल नेगी,प्रदीप कुकरेती (प्रवक्ता आन्दोलनकारी मंच)सत्यपाल राणा, अनिता कोठारी, गोकुल रावत,वेद मारवाड़ी ,ऋषि रणाकोटी, होशियार सिंह भंडारी आदि यमकेश्वर विकासखंड ,हरिद्वार ,ऋषिकेश, देहरादून से यूकेडीके पदाधिकारी सदस्य शामिल थे।

सड़क पर गिरा पेड़, घंटों ठप रही विद्युत आपूर्ति

देवी रोड–तड़ियाल चौक के मध्य सड़क पर गिरा पेड़

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः देवी रोड- तड़ियाल चौक चौक के मध्य जल निगम कार्यालय के समीप एक बड़ा पड़े सड़क पर गिर गया। गनीमत यह रही है कि घटना के समय कोई व्यक्ति या वाहन चालक सड़क से नहीं गुजर रही था। नहीं तो एक बड़ा हादसा हो सकता था।

शनिवार रात तेज बारिश के साथ ही हवा भी चल रही थी। इसी दौरान जल निगम कार्यालय के समीप सड़क पर एक बड़ा पेड़ जल से उखड़कर धराशायी हो गया। पेड़ की चपेट में आने से क्षेत्र की विद्युत लाइन भी टूट गई थी। जिसके कारण आसपास के क्षेत्र में रविवार दोपहर तक भी विद्युत आपूर्ति ठप पड़ी हुई थी। स्थानीय लोग उसम व गर्मी के बीच विद्युत आपूर्ति बहाली का इंतजार करते रहे। वहीं, रविवार तड़के मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने सड़क पर गिरे पेड़ को हटाकर यातायात शुचारु कराया।

यातायात ठप

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः बारिश से रविवार को जिले के 10 मोटरमार्गों पर यातायात ठप रहा। वहीं दोपहर को हुई मूसलाधार बारिश से कई जगह जलभराव और केवी स्कूल को जाने वाली सड़क में मलबा आने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। रविवार की दोपहर को हुई मूसलाधार बारिश से श्रीनगर रोड, कंडोलिया पार्क के पास जलभराव होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। बारिश और तेज हवाओं से पौड़ी-देवप्रयाग मोटरमार्ग पर नए बस स्टेशन के पास एक पेड़ टूटकर सड़क पर गिर गया। पेड़ के टूटने से बिजली के तार भी टूट गए।

विद्यार्थियों को दी सामग्री

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः टच यॉर सोल संस्था द्वारा राजकीय इंटर कालेज क्यार्क में बीते वर्षों की तरह इस वर्ष के सत्र के प्रारंभ में छात्र-छात्राओं को जूते एवं सेनेटरी उपलब्ध कराए गए। टच योर सोल संस्था के एरिया कोऑर्डिनेटर भानु प्रकाश बमराड़ा ने इस अवसर पर विद्यालय पहुंचकर छात्रों को सामग्री वितरित की। उन्होंने बताया कि स्कूल के सभी छात्र–छात्राओं को आने वाले दिनों में ट्रैकसूट, यूनिफॉर्म, स्वेटर आदि सामग्री भी वितरित की जाएगी। मौके पर टच योर सोल की निदेशक प्रीति चौधरी, स्कूल के प्रधानाचार्य अजय कुमार पंवार आदि मौजूद रहे।

वरिष्ठ नागरिक संगठन ने उठाई राष्ट्रीय राजमार्ग की हालत सुधारने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः वरिष्ठ नागरिक संगठन ने केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से कोटद्वार-दुगड्डा मोटर मार्ग की की हालत सुधारने की मांग की है। कहा कि भारी बारिश के कारण यह मोटर मार्ग जगह-जगह पर क्षतिग्रस्त हो गया है।

इस संबंध में रविवार को केंद्रीय सड़क मंत्री को प्रेषित ज्ञापन में संगठन अध्यक्ष पीएल खंतवाल और महासचिव रिपुदमन सिंह बिष्ट ने कहा है कि कोटद्वार–दुगड्डा मोटर मार्ग कोटद्वार से पहाड़ जाने वाले लोगों के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है। बरसात के दिनों में यह मोटर मार्ग भूस्खलन के कारण बार–बार बाधित होता रहता है। कुछ दिन पहले पहाड़ से हुए भूस्खलन की चपेट में आने के कारण इस मोटर मार्ग पर आमसौड़ के समीप एक मैक्स वाहन भी दब गया था। कहा कि यह मोटर मार्ग उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों और तीर्थ स्थलों तक पहुंचने का महत्वपूर्ण राजमार्ग है। अतः इस मोटर मार्ग पर आने वाली समस्याओं का स्थाई हल निकालना आवश्यक है।

जानवर चट कर रहे फसल, घाटे में काश्तकार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः जयहरीखाल ब्लॉक के विभिन्न गांवों के लोग उनकी धान की फसल को जंगली जानवरों द्वारा नुकसान करने के कारण परेशानी का सामना कर रहे हैं। हालत यह है शोर मचाने के बाद भी जंगली जानवर खेतों से नहीं जा रहे हैं।ब्लॉक के बडगांव, राइसेरा, बिल्टिया और रामीसेरा सहित दर्जनों गांवों के काश्तकारों के खेतों में इस समय धान की फसल खड़ी है। लेकिन जंगली सूअर और हिरन सहित अन्य जानवर फसल को रौंदने पर लगे हुए हैं। स्थानीय ग्रामीणों मनोज कुमार, विजय कुमार, नरेंद्र सिंह, मनोहर लाल, गजेंद्र सिंह और सतीश नेगी ने रविवार को बताया कि रात को खेती को सूअर और दिन में बंदर और लंगूर उनके आम के फलों को तोड़कर तहस नहस करने पर तुले हुए हैं। इस कारण उनका खेती से मन उचट रहा है। कहा कि सरकार को जंगली जानवरों के आतंक पर रोक लगाने के लिए ठोस नीति बनानी होगी।

जीत पर कांग्रेसियों ने जताई खुशी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः बदरीनाथ और मंगलौर विधानसभा उप चुनाव में जीत दर्ज होने पर नैनीडांडा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को मिठाई बांटकर खुशी जताई। तहसील मुख्यालय धुमाकोट बाजार में ब्लॉक अध्यक्ष मनीष सुंद्रियाल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर पटाखे फोड़े और मिठाई बांटी। इस मौके पर दीपक रावत, बीरेंद्र पटवाल, रामनिवास, पृथ्वीपाल पर्णवाल, हरीश रावत, सोनू, बबलू आदि शामिल रहे।

सदस्यों से संचार सेवा मजबूत करने का सुझाव दिये

नई टिहरी। जिला संचार सलाहकार समिति के सदस्य राजेश डंयूडी और सतवीर पुंडीर ने बताया कि देहरादून में संपन्न हुई समिति की बैठक में उन्होंने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बताया कि दूरस्थ बूढ़ाकेदार, चंबा ब्लॉक के मठियाण गांव क्षेत्र, सेंदुल और ऋषिकेश–गंगोत्री हाईवे पर नागणी से नरेंद्रनगर के बीच बीएसएनएल के सिग्नल बेहतर करने और नए टावर लगाने को कहा है। जिस पर समिति ने जल्द ही इन क्षेत्रों को मोबाइल नेटवर्क से आच्छादित करने का आश्वासन दिया है। इसके अलावा जिला मुख्यालय नई टिहरी, बौराड़ी, चंबा आदि क्षेत्रों में बीएसएनएल की 4जी सेवाएं, हाईस्पीड इंटरनेट सेवाएं संचालित करने का सुझाव भी दिया। डंयूडी और पुंडीर ने बताया कि नई टिहरी बीएसएनएल कार्यालय में लंबे समय से सेवाएं दे रही श्रमिकों, आउटसोर्स कर्मियों, पीटीसी कर्मियों की समस्याएं हल करने, श्रम कानूनों का पालन कर उन्हें सुविधाएं देने को भी कहा है। जिस पर टिहरी सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह ने समिति के सदस्यों की ओर से उठाई गई समस्याओं का तय समय के भीतर निस्तारण कर इसकी कार्रवाई से उन्हें भी अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। बैठक में नई टिहरी व उत्तरकाशी जिलों में नए टावर लगाने पर फोकस किया गया।

छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जायेगी

नई टिहरी। पीजी कालेज नई टिहरी के समाज शास्त्र विभाग ने समाज शास्त्र के पीजी में प्रवेश लेने वाले छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के साथ–साथ नेट, सेट व पीएचडी की तैयारियों को करवाने का भी निर्णय लिया। इससे छात्रों को तैयारी के लिए बाहर नहीं भटकना पड़ेगा। इस बावत पीजी कालेज की समाज शास्त्र की विभाग प्रभारी डॉ तनु मित्तल ने बताया कि एमए समाजशास्त्र में प्रवेश लेने वाले छात्र–छात्राओं को प्रारंभ से ही शिक्षण कार्य के साथ–साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। साथ ही छात्रों को समाजशास्त्र विषय से यूजीसी नेट और सेट की परीक्षा के लिए भी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। छात्र–छात्राओं को शोध की तकनीकियों से भी अवगत कराया जाएगा। जिससे भविष्य में पीएचडी करने में आसानी रहेगी। एमए चतुर्थ सेमेस्टर में क्षेत्रीय अध्ययन कार्य है, जिसकी मदद से छात्र–छात्राएं अपने पीएचडी के विषय को पूर्व में ही तैयार कर सकते हैं। छात्र–छात्राओं को दिल्ली और देहरादून में जाकर भटकने की आवश्यकता नहीं है। छात्रों को नई टिहरी के महाविद्यालय में ही एक स्थान पर सब कुछ सीखने को मिलेगा।

एक नजर

फर्जी एग्रीमेंट दिखा जमीन बेचने की डील कर 38 लाख रुपये हड़पे

देहरादून। फर्जी एग्रीमेंट दिखा जमीन बेचने की डील कर दो आरोपियों ने 38 लाख रुपये हड़प लिए। मामले में एसएसपी कार्यालय में दी गई तहरीर के आधार पर बसंत विहार थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसओ बसंत विहार महादेव उनियाल ने बताया कि रोहित अग्रवाल निवासी जीएमएस रोड ने तहरीर दी। कहा कि अगस्त 2022 में वह मुकेश राणा निवासी जीएमएस रोड, निकट ओम सार्थक अपार्टमेंट से मिले। उसने बताया कि उसके पास 1200 गज जमीन बहल चौक के पास उपलब्ध है। बताया कि जमीन में उनके साथ नवीन अग्रवाल निवासी गंगानगर, ऋषिकेश एग्रीमेंट का पार्टनर है। जमीन को बेचने के लिए सात करोड़ रुपये में डील की। पीड़ित एडवांस के तौर पर 38 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। इसके बाद पता लगा कि आरोपियों ने अपने नाम जो पंजीकृत एग्रीमेंट दिखाकर रकम ली उसे पहले ही कैंसिल कराया जा चुका है। इसके बाद पीड़ित ने अपनी रकम वापस मांगी। आरोपियों ने उनकी रकम का भुगतान नहीं किया, उल्टा जान से मारने की धमकी दी। एसओ महादेव उनियाल ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ जमीन फर्जीवाड़े का मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

दो चोर गिरफ्तार , दो चोरियों का हुआ खुलासा

देहरादून। पटेलनगर थाना पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार कर थाना क्षेत्र में हुई दो चोरियों का खुलासा किया है। आरोपियों से दोनों घरों से चोरी हुए करीब चार लाख रुपये के गहने और दो फोन बरामद होने का दावा किया गया है।इंस्पेक्टर पटेलनगर केके लुंठी ने बताया कि इंद्रजीत सिंह निवासी अमन विहार निरंजनपुर के यहां चोरी को लेकर 13 जून और जगीर सिंह निवासी कश्मीरी कॉलोनी, निरंजनपुर के घर में चोरी को लेकर 11 जून को मुकदमा दर्ज किया गया। दोनों स्थानों पर पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इस दौरान दो संदिग्ध चोरों का हुलिया मिला। पुलिस ने शनिवार देर शाम ब्राह्मणवाला से चोरी के आरोपी कन्हैया पुत्र अमर सिंह और नौशाद पुत्र नूर हसन दोनों निवासी ब्रह्मपुरी, पटेलनगर को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे बरामद गहनों और फोन के आधार पर दो चोरियों का खुलासा किया गया। आरोपी नौशाद पहले भी पटेलनगर थाने से आर्म्स ऐक्ट में जेल जा चुका है।

बेकाबू कार ने स्मार्ट सिटी एलईडी पोल तोड़ा

देहरादून। राजपुर रोड पर साईं मंदिर के पास बेकाबू कार ने स्मार्ट सिटी का एलईडी पोल तोड़ दिया। पोल के साथ उस पर लगा एलईडी डिस्प्ले बोर्ड भी क्षतिग्रस्त हो गया। मामले में कार कब्जे में लेकर उसके फरार चालक के खिलाफ राजपुर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। आईटी पार्क चौकी इंचार्ज शोएब अली ने बताया कि घटना शुक्रवार रात करीब तीन बजे की है। राजपुर की तरफ से आ रही काले रंग की कार ने साईं मंदिर के पास स्मार्ट सिटी के पोल में टक्कर मारी। मौके पर पोल और कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इसके बाद कार में सवार चालक समेत अन्य लोग मौके पर कार छोड़कर फरार हो गए। कार को मौके से क्रेन के जरिए खींचकर राजपुर थाने में खड़ा किया गया है। वहीं कार के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस कार के जरिए मालिक की पहचान की कोशिश कर रही है।

सड़क पर पलटा ई रिक्शा, एक बच्चे समेत चार घायल

विकासनगर। कोतवाली क्षेत्र में रविवार दोपहर को रसूलपुर में एक ई रिक्शा के सड़क पर पलटने से चार लोग घायल हो गए। इन्हें आसपास के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में मरहम–पट्टी करने के बाद घायलों को छुट्टी दे दी गई। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत यातायात व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है। यातायात को व्यवस्थित रखने के लिए कोतवाली पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर ई रिक्शा के संचालन पर प्रतिबंध लगाया था। बावजूद इसके हरबर्टपुर से लेकर विकासनगर तक ई रिक्शा एनएच पर धड़ल्ले से चल रहे हैं। रविवार दोपहर करीब एक बजे एक ई रिक्शा सवारियां लेकर विकासनगर से जीवनगढ़ की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है रसूलपुर में ई रिक्शा एक बाइक सवार से टकराकर सड़क पर पलट गया। घटना में एक बच्चे और महिला समेत चार लोग घायल हो गए। आसपास के लोगों ने सड़क पर पड़े घायलों को उठाकर उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। यहां उनकी मरहम पट्टी करने के बाद घर भेज दिया गया।

छात्रसंघ चुनाव में छात्राओं को मिलेगा 50 फीसद प्रतिनिधित्व: डॉ धन सिंह रावत

–विभागीय मंत्री ने कुलपतियों को दिए छात्रसंघ संविधान में संशोधन के निर्देश

–कहा, छात्रसंघ में मेधावी छात्र–छात्राओं की भागीदारी हो सुनिश्चित

देहरादून।प्रदेश के राजकीय व अशासकीय महाविदयालय के साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में होने वाले छात्रसंघ चुनाव में छात्राओं को पचास फीसद प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। इसके साथ ही छात्रसंघ में मेधावी छात्र छात्राओं की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। जिसके निर्देश विभागीय मंत्री डा धन सिंह रावत ने प्रदेश के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को दे दिए हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री डा धन सिंह रावत ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के अंतर्गत छात्रसंघ एवं छात्र परिषदों में छात्राओं को 50 फीसदी प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। इसके लिये सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को निर्देश जारी कर दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रसंघ सिर्फ राजनीति के लिए नहीं अपितु रचनात्मक गतिविधियों एवं शैक्षिणिक माहौल तैयार करने का काम करेंगे। इसके लिए सभी विश्वविद्यालय परिसरों एवं महाविद्यालयों के छात्रसंघों एवं छात्र परिषदों में मेधावी छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी।

विभागीय मंत्री ने बताया कि प्रदेश में उच्च शिक्षण संस्थानों में कुल 152387 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं जिसमें छात्राओं की संख्या 100272 जबकि छात्रों की संख्या 52115 है। यानी 65.8 फीसद छात्राएं हैं और 34.2 छात्र हैं। जिसमें से राजकीय महाविद्यालय परिसरों में कुल 97997 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं जिसमें 30130 छात्र व 67867 छात्राएं शामिल हैं। वहीं अशासकीय में 34590 में 14730 छात्र व 19860 छात्राएं हैं। विश्वविद्यालयी परिसरों में कुल 19800 विद्यार्थी हैं जिसमें 7255 छात्र व 12545 छात्राएं शामिल हैं।

डॉ रावत ने बताया कि सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों के अनुरूप चुनाव कराए जाएंगे। विश्वविद्यालयों के छात्रसंघ संविधान में जो भी बदलाव अपेक्षित हैं उन्हें करने के लिए संबंधित संस्थानों के कुलपतियों को निर्देश दिए गए हैं।

एबीवीपी ने मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

श्रीनगर गढ़वाल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद श्रीनगर इकाई ने रविवार को गढ़वाल विवि के सीनेट हाल में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस दौरान श्रीनगर के 13 विद्यालयों के 170 से अधिक मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि गढ़वाल विवि के हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. गुड्डी बिष्ट, राष्ट्रीय स्वयं संघ के पौड़ी के विभाग प्रचारक राहुल रहे। हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. गुड्डी बिष्ट ने छात्रों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थी परिषद की भूमिका पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पौड़ी के विभाग के प्रचारक राहुल ने विद्यार्थी परिषद के ध्येय वाक्य का पालन कर राष्ट्र निर्माण पर अपना पक्ष रखा। मौके पर महिला थाना प्रभारी संध्या नेगी,लखपत भंडारी, अमन पंत, दीपांशु, हिमांशु आदि मौजूद रहे।

सीडीओ ने मुकुंद गार्डन व रूईस होमस्टे का निरीक्षण किया

नई टिहरी। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने विकास विभाग के अधिकारियों के साथ भिलंगना ब्लॉक के दूरस्थ सेमल्थ गांव में संचालित मुकुंद गार्डन और रूईस होमस्टे का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर इस तरह के प्रयास करने से ही पलायन पर काफी हद तक रोक लग सकती है।

रविवार को सीडीओ त्रिपाठी उद्यानपति जयप्रकाश कुकरेती की ओर से तैयार किए गए मुकुंद गार्डन का निरीक्षण किया। जहां पर आम, अमरूद, शहतूत, कीवी, परसीमन आदि पौधों का रोपण कर बगीचा बनाया गया है। कुकरेती ने बताया कि बागान में विभिन्न प्रजाति के आम के पौधे हैं। जिन पर इस बार पर्याप्त मात्रा में फल आए हैं। उन्होंने सीडीओ से बगान की सुरक्षा के लिए घेरबाड़ सहित वनाग्नि की घटनाएं होने पर वहां हॉज, चाख–खाल निर्माण की अपील की। कहा कि अब गांव के अन्य लोग भी कृषि और उद्यान के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। वहीं गांव के रूईस तोक में बनाए गए होम स्टे की सराहना करते हुए सीडीओ ने कहा कि पर्यटन इस तरह के शांत वातावरण में परिवार के साथ कुछ वक्त जरूर बिताना चाहता है। ऐसे में ग्रीणों को होम स्टे के क्षेत्र में भी स्वरोजगार शुरू करना चाहिए। शासन–प्रशासन इसके लिए सब्सिडी भी उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने होम स्टे संचालक को इसे मेक माई ट्रिप सहित ऑनलाइन प्लेटफार्म से जोड़ने को कहा है। ताकि ज्यादा मात्रा में पर्यटक यहां आए। साथ ही वहां पर पहाड़ी खानपान परोसने, होम स्टे का स्वरूप पहाड़ी शैली में रखे रखने की अपील की।

विधायक बनने के बाद जोशीमठ पहुंचे लखपत बुटोला

चमोली। जोशीमठ पहुंचे नव निर्वाचित विधायक लखपत बुटोला का कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नगरवासियों ने फूल मालाओं से स्वागत किया। बुटोला ने जोशीमठ पहुंचकर सबसे पहले भगवान नृःसिंह के मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की। जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने पूरे नगर क्षेत्र में रोड शो किया। बुटोला ने नगरवासियों से उन्हें जिताने के लिए आभार जताया। रोड शो के दौरान बुटोला ने कहा कि राजेन्द्र सिंह भंडारी को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिन रात मेहनत करके नेता बनाया था लेकिन वे कांग्रेस द्वारा दिए गए जनमत को ठुकरा कर चले गए तो आज जनता ने उन्हें हरा दिया है। कहा कि जनमत का हमेशा सम्मान होना चाहिए। बुटोला ने कहा कि चारधाम यात्रा सुव्यवस्थित चले, आपदा प्रभावित क्षेत्रों और क्षेत्रवासियों के साथ न्याय हो, बदरीनाथ विधानसभा की स्वास्थ्य व्यवस्था सुदृढ बने, सड़क और दूरसंचार ठीक रहे यह सभी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेंगी।

नशा माफिया के खिलाफ क्षेत्रवासियों का प्रदर्शन

ऋषिकेश। समाजसेवियों ने नशा माफिया के खिलाफ हल्ला बोला है। वे क्षेत्र में धड़ल्ले से हो रहे नशे के व्यापार को लेकर नाराज हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन पर नशा कारोबारियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। रविवार को चंद्र नगर सोसायटी के सदस्यों ने त्रिवेणी घाट चौक पर नशा कारोबारियों का पुतला दहन किया। गंगा सेवा रक्षा दल के अध्यक्ष पंडित नरेंद्र शर्मा ने कहा कि तीर्थनगरी में नशे का व्यापार तेजी से फल फूल रहा है। उन्होंने कहा कि बीते मंगलवार की शाम को परशुराम चौक पर एक युवक को खोखो में अवैध रूप से शराब बेचते हुए पकड़ा गया। स्थानीय लोगों ने उस युवक को कोतवाली पुलिस को सौंपा। लेकिन थोड़ी देर बाद ही नशा माफिया पकड़ी गई शराब को कोतवाली से उठा कर ले गए। कोतवाली परिसर में ही सामाजिक कार्यकर्ताओं को नशा माफिया द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई। जिससे पता चलता है कि नशा माफिया को पुलिस प्रशासन का संरक्षण प्राप्त है। नशा माफिया के खिलाफ शीघ्र घर–घर जाकर जनसंपर्क कर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने पुलिस प्रशासन से नशा माफिया के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की। चंद्र नगर सोसायटी की अध्यक्ष रेखा राणा ने कहा कि शीघ्र अवैध नशे की बिक्री नहीं रुकी तो नगर एवं चौकी प्रभारियों के खिलाफ न्यायालय में केस दर्ज किया जाएगा। इस मौके पर आरजेपी अध्यक्ष सुरेंद्र नेगी, मोहन भंडारी, संजय सिल्सवाल, रंजीत यादव, हर्ष गावरी, मनोज बिजल्वाण, विपिन, रवि, पुनीत कलरा, संतोष, अमर, हरिओम, राहुल, अजय, सुबोध, दीपक, रवि चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

कठुआ के शहीदों को पूर्व सैनिकों ने दी श्रद्धांजलि

विकासनगर। जम्मू कश्मीर के कठुआ में आतंकी हमले में शहीद होने वाले उत्तराखंड के पांच जवानों को पूर्व सैनिक सेवा समिति ने बालूवाला स्थित कार्यालय में श्रद्धा सुमन अर्पित किए। पूर्व सैनिकों ने केंद्र सरकार से आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक जंग लड़ने की मांग की है। शहीद जवानों को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए रविवार को बालूवाला में एकत्र हुए पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष चमन राणा ने कहा कि इस दुख की घड़ी में सभी पूर्व सैनिक शहीदों के परिवारों के साथ खड़े हैं। कहा कि उत्तराखंड वीरों का राज्य है। यहां के बहुत से युवा फौज में है, जो देश की रक्षा कर रहे हैं। उत्तराखंड राज्य अपने पांचों शहीदों को कभी भुला नहीं पाएगा। कहा कि अब वक्त आ गया है कि आतंकवाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। भारतीय फौज को इस हमले का जवाब अवश्य देना चाहिए। इस घटना में शामिल सभी आतंकवादी और उनके मददगारों का खात्मा किया जाना जरूरी है। कहा कि पाकिस्तान आमने–सामने की जंग कभी भी भारत से जीत नहीं सकता है, जिसके चलते वह इस तरह की कायराना हरकत करता है। कहा कि हमारे सैनिक हर परिस्थिति में दुश्मन को मुहं तोड़ जवाब देने के लिए तैयार हैं। श्रद्धांजलि देने वालों में हाकम चंदेल, कुलदीप कुमार, प्रदीप गुलरिया, राजपाल, विजय चौहान, त्रिलोक चंद, रांझा राम, पुरुषोत्तम, होशियार सिंह राणा, श्याम सिंह राणा, शिल्पी राम, लाल सिंह, धर्मपाल, पृथ्वी चंद, मर्चेंट चंदेल, सुरेश नौटियाल आदि शामिल रहे।

पंप से टैंक फुल कराया, पैसे मांगने पर सेल्समैन को टक्कर मार भागे

देहरादून। पेट्रोल पंप पर कार सवार ने टैंक फुल कराया। पैसे मांगने पर सेल्समैन को टक्कर मारकर आरोपी चालक भाग निकला। मामले में रायपुर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसओ रायपुर प्रदीप नेगी ने बताया कि महादेव फ्यूल लाडपुर के संचालक भुवनेश्वर प्रसाद ने तहरीर दी। कहा कि 12 जुलाई को शाम चार बजकर दस मिनट पर दिल्ली नंबर की प्लेट लगी एक लग्जरी कार पहुंची। कार चालक ने टैंक फुल करने को कहा। सेल्समैन ने टैंक फुल किया तो उसमें 4770 रुपये का डीजल भरा। डीजल भरवाने के बाद चालक ने बिना भुगतान किए कार दौड़ा दी। सेल्समैन ने कार रोकने की कोशिश की तो आरोपी ने उसे भी टक्कर मारी। इसके बाद आरोपी चालक कार लेकर भाग निकला।

राजावाला में खैर के हरे पेड़ों पर चली आरियां

विकासनगर। देहरादून वन प्रभाग की झाझरा रेंज के राजावाला में खैर के हरे पेड़ों पर आरियां चलाकर अवैध कटान किए जाने का मामला सामने आया है। अवैध कटान के बाद अब कार्रवाई करने की बात वन विभाग के अधिकारी कर रहे हैं। हालांकि अधिकारी इस बात का जवाब नहीं दे पा रहे हैं कि रेंज मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर अवैध कटान कर लकड़ी कैसे ले जाई गई। पछुवादून में हरे पेड़ों के अवैध कटान का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इन दिनों खुद वन विभाग हरेला महोत्सव के तहत हरियाली बचाने के लिए पौधरोपण करने का दावा कर रहा है। लेकिन धरती पर पहले से मौजूद हरे पेड़ों पर आरियां भी वन विभाग की लापरवाही से ही चल रही हैं। ताजा मामला राजावाला आरक्षित वन क्षेत्र का है। यहां खैर के आठ हरे भरे पेड़ों का अवैध कटान किया गया। हैरानी की बात है कि झाझरा रेंज में खैर के हरे पेड़ों के अवैध कटान की यह दूसरी घटना है। इससे पूर्व मार्च में रमोला घाटी से खैर के दस पेड़ों पर आरियां चलाई गई थीं। उस समय भी वन विभाग के हाथ कुछ नहीं लगा और मामला ठंडे बस्ते में चला गया। पहला मामला ठंडा होते ही अब दोबारा आठ पेड़ों का अवैध कटान कर दिया गया है।

भाजपा पंचायत प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक यशपाल नेगी का कहना है कि खैर के आठ पेड़ों के अवैध कटान की जानकारी वन विभाग को तब मिली जब रविवार को गांव के कुछ युवक क्रिकेट खेलने मैदान में पहुंचे। युवाओं ने बताया कि मैदान किनारे खैर के आठ पेड़ काट दिए गए हैं। इसके बाद वन विभाग के अधिकारियों को सूचित किया गया।

संत निरंकारी मिशन ने किया रक्तदान शिविर आयोजित

ऋषिकेश। संत निरंकारी मिशन की ऋषिकेश ब्रांच ने रविवार को रक्तदान शिविर आयोजित किया। जिसमें शहर और आसपास क्षेत्रों के 318 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया।

स्वास्थ्य परीक्षण के बाद 161 यूनिट रक्तदान किया गया। रविवार को गंगानगर स्थित निरंकारी भवन में एम्स ब्लड बैंक की टीम के सहयोग से आयोजित शिविर का शुभारंभ जोनल इंचार्ज हरभजन सिंह ने किया। शिविर में पहुंचीं निवर्तमान मेयर अनीता ममगाईं ने कहा कि मिशन रक्तदान में सबसे आगे रहा है। रक्तदान को लेकर मिशन के लोगों का उत्साह सराहनीय है। सहायक नगर आयुक्त चंद्रकांत भट्ट ने कहा कि हर शख्स को रक्तदान जरूर करना चाहिए। इससे बड़ा कोई दान इस दुनिया में नहीं है। समाज को इस तरह जनसेवा के कार्यों की आवश्यकता है। जोलन इंचार्ज हरभजन ने कहा कि एक यूनिट ब्लड से तीन लोगों को जीवनदान दिया जा सकता है। पीआरबीसी, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स को जरूरत के मुताबिक मरीज को देकर उसके जीवन की रक्षा की जा सकती है। 18 से 65 वर्ष का स्वस्थ व्यक्ति 90 दिनों के अंतराल में रक्तदान कर सकता है। उन्होंने बताया कि मिशन की राज्य में समय–समय पर अलग–अलग जगह यह आयोजन मानवता की सेवा के लिए कर रहा है। मौके पर ज्ञान प्रचारक ज्ञानेश्वर गुरंग, एम्स से डॉ. के प्रियंका देवी, डॉ. उमेश कुमार सिंह, वरुण विग्नेश वी, अशवती एआर, गीतांजलि, होशियार सिंह, विजय, आजाद, कुशीराम, सौरभ, नीलम, प्रीतम सिंह आदि मौजूद रहे।

टिहरी के कवर्ड मार्केट और बस अड्डे का जल्द होगा कायाकल्प

नई टिहरी। एडीबी की लगभग 13 सौ करोड़ की वृहत परिजयोजना के तहत टिहरी झील व निकटस्थ क्षेत्रों में सौंदर्यीकरण और विकास के कामों को अंजाम देने की कार्रवाई शुरू हो गई है। नई टिहरी शहर में बस अड्डे और कवर्ड मार्केट का भी इसके तहत जल्द ही कायाकल्प होगा। जिससे नई टिहरी शहर की रौनक को चार चांद लगेंगे। करीब 1300 करोड़ रूपये की लागत से एडीबी सहायता प्राप्त टिहरी लेक प्रोजेक्ट के तहत 42 वर्ग किमी क्षेत्र के करीब 100 गांवों की एक लाख की आबादी को लाभ मिलेगा। प्रोजेक्ट के तहत रिंग रोड़, डोबरा–चांठी, तिवाड़ गांव, कोटी कालोनी, न्यू टिहरी, मदननेगी और झील कलस्टर में विभिन्न पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इसी के तहत बौराड़ी के कवर्ड मार्केट का रेनोवेशन और बस अड्डे का अपग्रेडेशन भी शामिल है।

टिहरी जिले के थौलदार ब्लॉक के निवासियों ने नए संगठन पर किया मंथन

देहरादून। दून में रविवार को टिहरी जिले के थौलधार ब्लॉक को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक सामाजिक संगठन के गठन पर चर्चा हुई। लेफ्टिनेंट जनरल एमसी बधानी की अध्यक्षता और पूर्व ब्लॉक प्रमुख श्री जोत सिंह बिष्ट के अगुवाई में रेसकोर्स में हुई बैठक में दून में रहने वाले थौलदार ब्लॉक के लोगों ने हिस्सा लिया व आगे की रूपरेखा तैयार की।

बैठक में 30 से अधिक लोगों ने नए संगठन में आजीवन सदस्यता तथा 150 लोगों ने साधारण सदस्यता हासिल की। पूर्व ब्लॉक प्रमुख जोत सिंह बिष्ट ने बताया कि यह एक गैर–राजनीतिक संगठन होगा, जो देहरादून में थौलधार के प्रवासियों को एक साथ लाने और अलग अलग संचार माध्यमों से आपसी संवाद करते हुए एक जागरूक और उद्देश्यपरक संगठन की भूमिका अदा करेगा। संगठन का मुख्य उद्देश्य थौलधार ब्लॉक के निवासियों के बीच एकता और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देना व सामूहिक प्रयासों से क्षेत्र के सामने आने वाले मुद्दों के समाधान का प्रयास करना रहेगा। चर्चा के दौरान, पट्टी गुसाईं, पट्टी नगुन, पट्टी उदयपुर और पट्टी जुवा के विभिन्न गांवों के निवासियों ने विचार साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि भागीरथी नदी के किनारे और प्रसिद्ध देवी सुरकंडा देवी मंदिर के नीचे स्थित थौलधार ब्लॉक के विकास में शामिल होने के लिए सभी प्रतिबद्ध हैं। मौके पर मूर्ति सिंह नेगी, राय चन्द रमोला, परिपूर्णानंद पैन्यूली, मस्तु दास, राजेन्द्र बिष्ट, सुरेंद्र भण्डारी, शीशपाल गुसाईं, सोहन लाल खंडूड़ी, दीपक खंडूड़ी, कुलदीप बिष्ट, विजेंदर कुमार, बेलसिंह महर, शूरवीर पंवार, भुवनेश्वर बधानी, उपेंद्र सिंह रावत, मनोहर लाल सकलानी, सीमा राणा, पूनम सकलानी, राम लाल खण्डूड़ी, हिम्मत सिंह बिष्ट मौजूद रहे।

यूकेडी का सरकार और वन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन

ऋषिकेश। उत्तराखंड क्रांति दल ने रविवार को भाजपा सरकार और वन विभाग के खिलाफ हल्ला बोला है। वे यमकेवर विधानसभा में व्याप्त समस्याओं के समाधान नहीं होने से नाराज हैं। उत्तराखंड क्रांति दल के कार्यकर्ताओं ने बीन नदी तट गंगा भोगपुर में धरना प्रदर्शन किया। यूकेडी नेता डा. शक्तिशैल कपरुवाण ने कहा कि यमकेश्वर विधानसभा क्षेत्र में तमाम समस्याएं व्याप्त है। सभी मोटरमार्गों का निर्माण वन्य जीव कानूनों की बाधाओं के कारण रुका पड़ा है, इसलिए क्रांतिदल को जनांदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है।

कहा कि बीन नदी पुल निर्माण, कौडिया–किमसार मोटर मार्ग का डामरीकरण (हॉटमिक्स), नीलकंठ, बाईपास मोटर मार्ग निर्माण, बीन नदी–विंदवासिनी मोटर मार्ग निर्माण, गंगाभोगपुर के गांववासियों का राजाजी पार्क अधिकारियों द्वारा किये जा रहे उत्पीड़न को बंद करने आदि की मांग को लेकर आंदोलन किया जा रहा है।

इस दौरान यूकेडी कार्यकर्ताओं ने एसडीएम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा। प्रदर्शन करने वालों में सत्या कपरुवाण, हरेन्द्र सिंह रौथाण, जगदम्बा प्रसाद जोशी, गगनदीप नेगी, दीपक सिंह रावत, मोहन सिंह रावत, मोहन सिंह असवाल, सत्यप्रसाद भारद्वाज, सत्यपाल सिंह नेगी, पुष्कर सिंह रावत, प्रमोद काला, संतोष मनवाल आदि उपस्थित रहे।

धाद ने किया हरेला का स्वागत, पेड़ कटने पर जताई चिंता

देहरादून। धाद संस्था की ओर से रविवार को हरेला के स्वागत में परेड ग्राउंड से मार्च निकाला गया। इस दौरान संस्था ने जन भागीदारी से 500 पौधे लगाने और उन्हें वृक्ष बनाने का संकल्प लिया। मौजूद लोगों ने दून शहर में पेड़ों के कटने को लेकर भी चिंता जताई। पेड़ कट रहे हों हर ओर, तब आज हरेला कैसे हो।

इसी नारे के साथ आयोजन में शामिल लोगों ने परेड ग्राउंड से हरेला स्वागत मार्च शुरू किया। पद्मश्री माधुरी बर्थवाल की आवाज में झूमेलों झूमेलों लगौला झूमेलों, हैरयाली एग्यायी लगौला झूमेलों, सौण का मैना मा लगौला झूमेलों गीत और सुषमा व पुष्पा डुकलान ने ढोल दमाउ की थाप के साथ हरेला का स्वागत किया गया। मार्च का स्वागत करते हुए धाद के अध्यक्ष लोकेश नवानी ने कहा कि हरेला संक्रांत से लेकर घी संक्रांत तक महीने भर चलने वाली इस मुहीम में प्रदेश के विभिन्न संस्थानों, दफ्तरों और मोहल्लों मे पौधारोपण करने और पुराने पेड़ों को बचाने की पहल की जाएगी क उन्होंने कहा कि धाद चौदह वर्षों से यह पहल कर रहा है। धाद ट्रिज ऑफ दून के संयोजक हिमांशु आहूजा ने कहा कि इस वर्ष की प्रचंड गर्मी ने हमारे आसपास हरियाली और पेड़ों की जरूरत को लेकर हमारा ध्यान खींचा है। कृषक बागवानी संगठन के सचिव बीर भान सिंह ने पेड़ों के जीवनचक्र में बदलाव के कारण पर प्रकाश डाला। धाद के सचिव तन्मय मंमगाई ने कहा कि गांव वीरान हो रहे हैं और खेत बंजर, जबकि शहरों पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469 / 79
फोन / फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com